वर्ष-07, अंक-81 | सोमवार, 04 सितंबर 2023 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2021-23

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

■ इम्पेक्ट फीचर

रोजगार के लिए तैयार होने का दिया जा रहा अवसर

युवा शक्ति के होंगे सारे सपने साकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैभवशाली, गौरवशाली, शक्तिशाली, सम्पन्न और समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है। प्रधानमंत्री की पहल से आजादी के ज्ञात-अज्ञात और गुमनाम नायकों के संघर्ष और बलिदान से देश परिचित हुआ है। युवाओं को भी नई प्रेरणा मिली है। स्वामी विवेकानंद का मानना था कि कोई भी काम ऐसा नहीं है, जो हम नहीं कर सकते। युवा अपने को कमतर न समझें। इसी भाव को ध्यान में रखकर हमने युवाओं के लिए विशेष नीति बनाई है हमारा प्रयास है कि युवाओं को बेरोज़गारी भत्ता न देकर विभिन्न कौशल सीखने और अपने आप को रोजगार के लिए तैयार करने के अवसर मिलें।

मुझे विश्वास है नई युवा नीति प्रदेश की युवा शक्ति के सपनों को साकार करने में सहायक होगी। इस नीति के माध्यम से युवा एक नए और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश को गढ़ने में अपना योगदान दे सकेंगे। आइए, हम मिलकर आगे बढ़ें और एक नए मध्यप्रदेश का निर्माण करें।

युवा नीति का विजन

मध्यप्रदेश के युवाओं को अपनी क्षमता का पूर्ण विकास करने के लिए सशक्त करना है, ताकि वह राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान में प्रभावी योगदान कर सकें। युवा कई क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं। देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

प्रदेश के समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उठाया अहम कदम

मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे युवा

प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने शहीद दिवस 23 मार्च 2023 को राजधानी के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में हुई युवा महापंचायत के दौरान युवाओं के हित में फैसला लिया। इस महापंचायत में हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं और युवा उपस्थित हुए। इस आयोजन के अवसर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं जिसमें मध्य प्रदेश युवा नीति की भी घोषणा की गई। यह प्रदेश के अभ्यर्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण नीति है, जो भविष्य में युवाओं को बेहतर करियर प्रदान करने का कार्य करेगी। वही देश आगे बढ़ पाता है, जिसकी शक्ति युवा हों। वही देश नए आयाम गढ़ता है, जहाँ के युवाओं की ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग हो । मध्यप्रदेश के नव-निर्माण में युवाओं की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अहम कदम उठाया है। राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को विभिन्न कौशल सिखाकर रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है।

युवाओं ने खुद बनाई अपनी नीति

प्रदेश के ऊर्जावान युवाओं को मिलेगा अब युवा नीति का साथ

स्वामी विवेकानंद का मानना था कि किसी भी राष्ट्र का विकास तभी संभव है, जब उस राष्ट्र के युवा ऊर्जा से भरे हों और समाज में कुछ नया करने के लिए उनके भीतर प्रेरणा और ऊर्जा हो । ऐसे ही हैं मध्यप्रदेश के युवा जो ऊर्जा से लबरेज और उत्साही हैं। युवा कई क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं। देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। युवाओं की ऊर्जा को गति देने के लिए मध्यप्रदेश की प्रदेश सरकार ने विचार मंथन के बाद युवा नीति-2023 लागू की है। इसके लिए प्रदेशभर में गोष्ठियां हुईं। बैठकें हुईं। जिला प्रशासन, शिक्षण संस्थान, निजी संस्थान सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने इसमें सहभागिता की। इस प्रक्रिया में 10 हजार से ज्यादा युवाओं ने भागीदारी की। सबसे खास बात ये कि आम लोगों से भी ऑनलाइन सुझाव लिए गए। फलस्वरूप 3,018 सुझाव प्राप्त हुए। यह नीति प्रदेश के समग्र विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उठाया गया अहम कदम है, जिसमें युवा एक अहम भूमिका निभाएंगे। इस नीति से मध्यप्रदेश एक ऐसा प्रदेश बनकर उभरेगा, जिसमें युवाओं की ऊर्जा और योग्यता के सभी बहुआयामी सरोकार समाहित होंगे एवं क्षेत्रीयता, जातिवाद और लिंग असमानता नहीं होगी।

नीति के उद्देश्य प्रभावी असर

- प्रदेश के युवा ऐसे उद्यमी बनें जो आत्मविश्वास के साथ जोखिम लेने के लिए तैयार हों।
- आर्थिक और वित्तीय व्यवस्था एवं संरचना के प्रति जागरूक हों।
- मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।
- कृषि एवं पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हों।
- समावेशी एवं न्यायपूर्ण हों।
- प्रतिभागिता की भावना से युक्त हों।
- वैज्ञानिक स्वभाव एवं दृष्टिकोण से युक्त हों।
- तथ्यों के आधार पर युक्तियुक्त और तत्काल निर्णय लेने में भी समर्थ हों।
- अपनी संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति आदर भाव से युक्त हों
- राष्ट्र निर्माण एवं अपने कर्त्तव्यों के प्रति समर्पित हों।
- भविष्य में नेतृत्व प्रदान करने के लिए समर्थ हो।
- शिक्षा, कौशल अर्जित कर रोज़गार के योग्य हों।

नौजवानों का स्वर्णिम भविष्य गढ़ेगी मध्यप्रदेश की सरकार

विश्वविद्यालय स्तर पर 100 करोड़ रुपए का स्टूडेंट इनोवेशन फंड

प्रदेश के सभी शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए वन टाइम परीक्षा शुल्क एवं रजिस्ट्रेशन की सुविधा लागू की गई है। इसके लिए प्रतिभागी को वर्ष में मात्र एक बार रजिस्ट्रेशन करवाना होगा।

- केंद्रीय परीक्षाओं की लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण और साक्षात्कार के लिए दिल्ली आमंत्रित युवाओं को नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में प्राथमिकता के आधार पर निःशुल्क आवास की सुविधा ।
- प्रदेश में राज्य स्तरीय युवा आयोग का पुनर्गठन किया जा चुका है।
- अगले वर्ष से प्रदेश में अलग से युवा बजट बनाया जाएगा। यह देखा जाएगा कि युवा कल्याण पर कितनी राशि किन-किन योजनाओं में आवंटित की गई। उन पर कितना कार्य किया गया।
- अगले वित्त वर्षों में खेल-कूद एवं अधोसंरचना पर लगभग 750 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। इसके साथ ही प्रतिवर्ष खेलो एमपी-यूथ गेम्स का आयोजन होगा।
- प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 12 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को नीट परीक्षा के माध्यम से एमबीबीएस और बीडीएस की पढ़ाई के लिए कॉलेजों से 5 प्रतिशत सीटें रिजर्व करने का प्रावधान किया गया है।
- प्रदेश के शासकीय एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में दस से अधिक इन्क्यूबेटर स्थापित कर छात्र, मेंटर, स्टार्ट-अप, नवाचार एवं इकोसिस्टम

आधारित विकास किया जाएगा। प्रदेश में इन्क्यूबेटर सीट्स को दस गुना बढ़ाया जाएगा।
- भोपाल में ग्लोबल स्किल पार्क इस वर्ष चालू हो जाएगा। ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में नए ग्लोबल स्किल पार्क बनाए जाएंगे।
- विदेश में खासतौर पर जापान एवं जर्मनी, जहाँ युवाओं को ज्यादा अवसर उपलब्ध हैं, वहाँ नौकरी करना चाहने वाले युवाओं को उक्त दोनों देशों की भाषा सीखने के लिए कोर्स उपलब्ध करवाएंगे।
- वर्तमान समय में कई सेक्टर में पारंपरिक रोज़गार के साथ ही गिग वर्कर्स भी हैं, इसलिए प्रदेश में शासकीय एवं निजी रोज़गारों से युवाओं की मैच मेकिंग का कार्य कर रहे एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज को पारंपरिक रोज़गार तक सीमित न रख कर गिग वर्कर्स का प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा। इससे ज्यादा कुशल युवाओं को अनुभव एवं रोज़गार के अवसर दिए जा सकेंगे।
- स्टार्टअप पॉलिसी के माध्यम से विश्वविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को व्यवसाय आरंभ करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 100 करोड़ की लागत से स्टूडेंट इनोवेशन फंड बनाया जाएगा।
- प्रदेश में एक छत के नीचे युवाओं के लिए समस्त आवश्यक सुविधाएँ जुटाई गई हैं। जैसे सभी योजनाओं का लाभ, लाइब्रेरी, काउंसिलिंग एवं मेंटरिंग डिजिटल स्टूडियो, यूथ हॉस्टल, कॅरियर गाइडेंस इत्यादि की सुविधाओं से युक्त जिला स्तर पर विवेकानंद युवा संसाधन केंद्र स्थापित किए जाएंगे।
- परंपरागत एवं जनजातीय लोक कला को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को फैलोशिप प्रदान की जाएगी।
- माँ तुझे प्रणाम योजना की तर्ज पर प्रदेश से चयनित युवाओं को अपने प्रदेश तथा संस्कृति को जानने के लिए युवा अनुभव यात्राओं का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सीखो - कमाओ योजना से युवाओं को मिलेगा अवसर

प्रदेश की सरकार ने सीखो कमाओ योजना में सभी के हित साधे

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि प्रदेश के युवाओं में क्षमता, ऊर्जा और प्रतिभा है। उद्योगपति और व्यापारिक संस्थान इन्हें काम सिखाएंगे, तो वे उनके प्रतिष्ठान को मालामाल कर देंगे। मुख्यमंत्री सीखो - कमाओ योजना व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और युवाओं के हितों को समान रूप से ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। इससे युवाओं को काम सीखने का मौका मिलेगा और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को स्किल्ड मेनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। योजना के सफल क्रियान्वयन से मध्यप्रदेश आगे बढ़ेगा। सीखो - कमाओ योजना का संक्षिप्त रूप एस.के.वाय अर्थात् स्काय मतलब आसमान है।

युवा आगे आएँ, योजना से जुड़ें, आसमान में ऊँची उड़ान भरें और अपने जीवन को सफल और सार्थक बनाये। मैं युवाओं के सपनों को किसी भी कीमत पर मरने नहीं दूँगा। चिड़िया अपने बच्चों को घोसला नहीं पंख देती है, मैं पंख देने आया हूँ और इसीलिए मुख्यमंत्री सीखो - कमाओ योजना लागू की गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री सीखो - कमाओ योजना की लॉन्चिंग के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में आईटीआई उत्तीर्ण श्री राज कुशवाह का स्वयं योजना के पोर्टल पर पंजीयन कराकर योजना का शुभारंभ किया।

युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार के लिए व्यापक गतिविधियां

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि युवाओं को रोजगार के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास जारी हैं। रोजगार के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम आदि में स्व-रोजगार के लिए ऋण की व्यवस्था की गई है। युवा स्वयं का स्टार्टअप आरंभ कर सकते हैं। प्रदेश में अब तक 2800 स्टार्टअप कार्यरत हैं। प्रदेश की धरती पर निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास जारी हैं। उद्योगपतियों द्वारा प्रदेश में लगभग 15 लाख 42 हजार 550 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता अभिव्यक्त की गई है। इन उद्योगों से बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

आठ से 10 हजार रुपए तक स्टायपेंड सीख रहे 800 से अधिक हुनर

- युवाओं में कौशल विकास के साथ उन्हें रोज़गार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री सीखो - कमाओ योजना की गई है लागू।
- प्रशिक्षण के बाद निर्धारित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर रोज़गार बोर्ड द्वारा ट्रेनिंग का प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।
- 12वीं पास प्रशिक्षुओं को 8 हजार, आईटीआई पास प्रशिक्षुओं को 8 हजार 500 रुपए, डिप्लोमाधारी प्रशिक्षुओं को 9 हजार और स्नातक/ उच्च शिक्षा पास प्रशिक्षुओं को 10 हजार रुपए स्टायपेंड दिया जाता है।
- योजना में प्रशिक्षण के लिए टेक्नीशियन, इलेक्ट्रिशियन, ब्यूटीशियन, वेब डेवलपर, वेल्डर/ गैस कटर / फेब्रिकेटर, टेलर, माली, प्लम्बर, टैक्सी ड्राइवर, बीमा एजेंट, पोल्ट्री सुपरवाइजर, टायर रिपेयरिंग, स्टेनोग्राफर जैसे 800 कार्यक्षेत्र चिह्नित किए गए हैं।
- अब तक लगभग 12 हजार 587 प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया जा चुका है। इनमें 23 अन्य राज्य के प्रतिष्ठान भी शामिल हैं।
- प्रतिष्ठानों द्वारा लगभग 54 हजार से ज्यादा वैकेन्सी (प्रशिक्षण की सीट) क्रिएट की जा चुकी है।

■ इम्पैक्ट फीचर

हर वर्ग के युवाओं के लिए स्व-रोजगार के अवसर

- मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना।
- मुख्यमंत्री महिला उद्यम शक्ति योजना।
- टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना।
- भगवान बिरसा मुंडा स्व-रोजगार योजना।
- संत रविदास स्व-रोजगार योजना।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना।
- मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना।
- सावित्री बाई फुले स्व-सहायता समूह योजना।
- पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग के लिए उद्यम एवं स्व-रोजगार योजना ।
- मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध घुमंतू स्व-रोजगार योजना ।
- युवाओं को स्व-रोजगार से जोड़ने के लिए इस बार के बजट में शिवराज सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी, अल्पसंख्यक, विमुक्त तथा घुमंतु और महिलाओं को रोजगार मूलक योजनाओं के लिए 252 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया है।

युवाओं को मिलेगी 21st सेंचुरी स्किल्स

- इस साल भोपाल के गोविंदपुरा में प्रारंभ हो जाएगा देश का सबसे बड़ा संत रविदास ग्लोबल स्किल पार्क।
- 6 हजार से अधिक युवाओं को मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कौशल प्रशिक्षण।
- प्रदेश के 10 संभागीय आईटीआई को सरकार ने किया ट्रांसफार्म।
- अब हर विकासखंड में एक आईटीआई की स्थापना।
- हम लेकर आए नई स्टार्टअप नीति।
- राज्य की नई स्टार्टअप नीति 2022 लागू।
- युवाओं के नव-विचारों को उद्यम में बदलने का अवसर दे रही राज्य सरकार।
- 2750 से अधिक स्टार्टअप और 50 से अधिक इन्क्यूबेटर्स काम कर रहे प्रदेश में।
- 21 से अधिक स्टार्टअप्स को नई नीति में दी गई है सहायता।
- नई नीति में आने के बाद प्रदेश में 800 नए स्टार्ट-अप और 18 नए इन्क्यूबेटर स्थापित हुए।
- इंदौर के सुपर कॉरिडोर में 22 एकड़ जमीन पर बनेगा 35 मंजिला स्टार्ट-अप पार्क। 20 हजार लोगों को मिलेगा रोज़गार।

प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए विभिन्न स्तरों पर जारी हैं प्रयास

मध्य प्रदेश में सालभर में होंगी सवा लाख से अधिक सरकारी पदों पर होंगी भर्तियां

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास जारी हैं। स्वतंत्रता दिवस पर एक साल में एक लाख सरकारी नौकरियाँ देने की बात कही गई थी। प्रदेश सरकार ने इस दिशा में बेहतर प्रयास करते हुए लगभग लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हर संभव कदम उठाया है।

- लगभग 99 हजार पदों पर भर्ती की कार्रवाई प्रारंभ
- पटवारी के 7 हजार, शिक्षक के 15 हजार 700, उपयंत्री के 2600, पैरा मेडिकल स्टाफ के 6500, फॉरेस्ट गार्ड और जेल वार्डन के 2200, सहायक ग्रेड स्टेनो के 2700 और पुलिस कॉन्स्टेबल के 7500 पदों पर भर्ती की जा चुकी है। इतने बड़े पैमाने पर एकसाथ सरकारी पदों पर भर्ती मध्यप्रदेश के इतिहास में पहली बार है।
- बैकलॉग के पद भी इसी अभियान में भरने का है लक्ष्य।
- सरकारी भर्तियों में मिला ट्रांसजेंडर्स को पुरुष और महिलाओं के साथ बराबरी का हक।

मुख्यमंत्री निवास परिसर में नव-नियुक्त शासकीय सेवकों को नियुक्ति-पत्र वितरण समारोह के दरमियान मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के साथ सेल्फी लेती हुई बेटियां।

युवा कल्याण और सशक्तिकरण के 10 स्तंभ

- रोजगार मूलक शिक्षा
- देशभक्ति, अनुशासन, नैतिक संस्कार, जीवन मूल्य और लाइफ स्किल्स
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर का कौशल प्रशिक्षण
- खेल प्रतिभाओं को अधिक से अधिक प्रोत्साहन
- रोज़गार और स्व-रोज़गार के अवसरों का लगातार सृजन
- युवा सामुदायिक नेतृत्व विकास
- शोध, नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा
- स्टार्ट अप्स और नई तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहन
- विभिन्न जनहित और जनसेवा के कार्यों में सरकार के साथ भागीदारी
- युवाओं से निरन्तर संवाद

युवाओं को अब 50 लाख रुपए तक कर्ज की सुविधा

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना

युवाओं को रोजगार और स्व-रोजगार से जोड़ने शिवराज सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। इनमें से प्रमुख है मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना। इस योजना के अंतर्गत ऋण पर कम ब्याज देना होगा और ऋण पर गारंटी सरकार देगी। एक लाख रुपए से 50 लाख रुपए तक कोलेटरल मुक्त ऋण की सुविधा । 3 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान 7 वर्षों के लिए दिया जाएगा। गारंटी शुल्क की राशि की प्रतिपूर्ति भी शासन द्वारा 7 वर्षों तक की जाएगी। अब तक लगभग 110 करोड़ रुपए के,1 हजार 700 से अधिक प्रोजेक्ट्स की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

5 हजार से अधिक युवा बने पेसा समन्वयक

जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर लगभग 5 हजार 300 पेसा समन्वयक। नियुक्ता-पेसा पंचायतों और ग्राम सभाओं को ये कर रहे सशक्त।

मुख्यमंत्री सामुदायिक युवा नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम

इस सत्र में लगभग 23 हजार छात्र- छात्राएं ले रहे सामाजिक उत्थान के लिए सामाजिक नेतृत्वकर्ता बनने का प्रशिक्षण। हर जिले में की गई मुख्यमंत्री फेलो की नियुक्ति। विकास की प्रक्रिया में जमीन से जुड़कर ये युवा बन रहे जनकल्याण के कार्यों में सरकार के साझीदार।

मुख्यमंत्री युवा इंटर्नशिप योजना

- इसके अंतर्गत 15 हजार मुख्यमंत्री जनसेवा मित्रों की चयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।
- प्रथम चरण में प्रदेश के समस्त जिलों के 313 विकासखंडों में 4500 से अधिक जनसेवा मित्रों की नियुक्ति की जा चुकी है।
- द्वितीय चरण में 4600 से अधिक पदों के लिए हो रही हैं नियुक्तियां।
- हम इसमें प्रदेश के वित्तीय वर्ष में लगभग 10 हजार बच्चों को चुनेंगे और अच्छा प्रदर्शन करने वाले इंटर्न्स को 6 माह का एक्सटेंशन एवं 10 हजार प्रतिमाह का मानदेय प्रदान करेंगे।

हर एक को मिलेंगे रोजगार के अवसर

प्रदेशवासी रोजगार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे, हर वर्ष 12 जनवरी को मनाया जाएगा रोजगार दिवस

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि मध्यप्रदेश देश का ऐसा राज्य है, जहाँ बेरोजगारी की दर सबसे कम है। किसी भी युवा को मध्यप्रदेश की धरती पर निराश होने की आवश्यकता नहीं हैं, यहाँ शिक्षा भी मिलेगी और रोजगार भी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के हर व्यक्ति को स्व-रोजगार एवं रोज़गार के बेहतर अवसर प्रदान किए जाएंगे। प्रदेशवासी रोज़गार मांगने वाले नहीं बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे।

प्रतिमाह सृजित हो रहे लगभग 3 लाख स्वरोजगार के अवसरः मध्यप्रदेश के इतिहास में पहले कभी स्व-रोजगार के इतने अवसर सृजित नहीं हुए।

12 जनवरी 2022 से निरंतर आयोजित हो रहे हैं रोजगार दिवस।

हर माह 3 लाख से अधिक लोगों को 1450 करोड़ रुपए से अधिक के ऋण वितरित कर जोड़ा जा रहा है स्व-रोजगार से।

नवम्बर 2021 से मार्च 2023 तक 48 लाख 58 हजार से अधिक स्व-रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं और 33 हजार करोड़ रुपए से अधिक की ऋण सहायता दी गई है।

रोजगार दिवस अंतर्गत ये ऋण सहायता पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, संत रविदास स्व-रोजगार योजना, भगवान बिरसा मुण्डा स्व-रोजगार योजना, राष्ट्रीय शहरी एवं ग्रामीण आजीविका मिशन योजनाओं में दी जा रही है। सरकार लगातार दे रही अवसर स्व- रोजगार के अवसरः प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना और मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना कोरोना की कठिन परिस्थितियों में गाँव और शहरों के छोटे-छोटे व्यवसाय करने वाले भाई-बहनों के लिए संजीवनी साबित हुई है। ये मील का पत्थर है।

इन योजनाओं से प्रदेश में पिछले ढाई वर्ष में 9 लाख 50 हजार से अधिक पथ विक्रेताओं को लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम योजना के अंतर्गत प्रदेश के 20 जिलों के 89 आदिवासी विकासखण्डों में राशन सामग्री परिवहन के लिए अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को बैंक के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराकर वाहन उपलब्ध कराए गए हैं।

टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक, ऑटोमोबाइल और कृषि उपकरण हब के रूप में विकसित हो रहा प्रदेश

देश में स्टार्ट-अप हब के रूप में उभर रहा है मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश देश के टेक्सटाइल हब, फूड प्रोसेसिंग हब, लाजिस्टिक हब, ऑटोमोबाइल हब और कृषि उपकरण हब के रूप में तेजी से उभर रहा है। एक्सपोर्ट प्रीपेयर्डनेस इंडेक्स रैंकिंग में राज्य ने लगातार सुधार दिखाया है और हम लैंड लॉक्ड श्रेणी में टॉप 3 राज्यों में हैं।

उद्योगों की स्थापना और संचालन के नियमों को सरल बनाया गया है। अधिसूचित क्षेत्रों में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना पर 3 वर्ष के लिए अनुमोदन और निरीक्षण से छूट दी गई है। मध्यप्रदेश में अब तक 2,427 अनुपालनों को कम किया गया है।

24 अधिनियमों के अंतर्गत 65 धाराओं में संशोधन कर उन्हें गैर आपराधिक श्रेणी में लाया गया है।

'स्टार्ट योर बिजनेस इन 30 डेज' कार्यक्रम शुरू किया गया। 8 विभागों की 44 सेवाएं 30 दिन के भीतर प्रदाय की जा रही हैं।

35 सेवाओं में बिना किसी विलंब के काम हो इसके लिए उन्हें डीम्ड एप्रूवल की श्रेणी में रखा गया है। अब तक लगभग 2,200 से अधिक आवेदनों पर डीम्ड एप्रूवल प्रदान किया जा चुका है। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती से रोजगार दिवस का प्रतिमाह आयोजन प्रारंभ किया गया। रोजगार दिवस के माध्यम से हर माह औसतन तीन लाख रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। पिछले 3 वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं में 1 करोड़ 9 लाख से अधिक हितग्राहियों को 67 हजार करोड़ रुपए से अधिक की स्व-रोजगार सहायता दी गई है।

राज्य 4 इन्वेस्टमेंट कॉरिडोर भोपाल- इंदौर, भोपाल-चीना, जबलपुर-कटनी- सतना - सिंगरौली और मुरैना-ग्वालियर शिवपुरी-गुना का निर्माण कर रहा है।

पिछले तीन वर्षों में बैंक के माध्यम से एमएसएमई इकाइयों को 2 लाख 26 हजार 266 करोड़ रुपए की ऋण सुविधा प्रदान की गई है।

वर्ष 2005-06 की तुलना में प्रायोरिटी सेक्टर में कृषकों को दिए जाने वाले ऋण में 13.41 प्रतिशत की और एमएसएमई के ऋण 30.22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इंदौर- पीथमपुर इकॉनोमिक कॉरिडोर एवं मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक पार्क का विकास किया जा रहा है।

पीएम गति शक्ति परियोजना का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। कुल 7 हजार 400 करोड़ रुपए की 13 परियोजनाएं स्वीकृत हुईं।

'फ्यूचर रेडी मध्यप्रदेश' की थीम पर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट- 2023 इंदौर में आयोजित हुई।

इसके परिणाम स्वरूप 15 लाख 42 हजार 514 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों के माध्यम से 29 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

भारत सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को 3,513 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है, जो देश में सर्वाधिक है। प्रदेश में 1 लाख 25 हजार एकड़ से अधिक का लैण्ड बैंक उपलब्ध है। राज्य में कुल 108 औद्योगिक पार्क है, जिनमें से 84 विकसित और 24 विकासाधीन अथवा स्वीकृति स्टेज पर हैं। निकट भविष्य में विकसित किए जाने वाले इन औद्योगिक क्षेत्रों का राज्य सरकार लगभग 2,312 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य करेगी, जिससे 16,500 करोड़ रुपए का नया निवेश प्राप्त होने और 33 हजार प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है।

विक्रम उद्योगपुरी इन्दौर में भारत सरकार के सहयोग से 360 एकड़ क्षेत्र में 222 करोड़ रुपए की लागत से मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित किया जा रहा है।

इसी प्रकार प्रदेश के धार जिले के भैंसोला में 1,500 एकड़ क्षेत्र में पीएम मित्र पार्क स्थापित हो रहा है। इस परियोजना के माध्यम से 6,842 करोड़ रुपए का निवेश और 25 हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना जताई जा रही हैं।

वर्ष 2022-23 में एमएसएमई सेक्टर को अनुदान के लिए 700 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। अब तक 670 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान राशि 2,750 से अधिक एमएसएमई को सिंगल क्लिक से अंतरित कर दी गई है।

मध्यप्रदेश, देश का उभरता हुआ स्टार्ट- अप हब है। प्रदेश में वर्तमान में 3 हजार 200 से अधिक स्टार्ट-अप संचालित हो रहे है, इनमें से 1 हजार 400 से अधिक स्टार्ट-अप महिलाओं द्वारा संचालित हैं। वर्तमान में कुल 55 इन्क्यूबेशन्स सेन्टर स्थापित हो चुके हैं।

मध्यप्रदेश में स्टार्ट-अप इंको सिस्टम को मजबूत करने के कारण राज्य सरकार को देश के एक्सपायरिंग स्टेट का अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ है।

राज्य सरकार के भण्डार क्रय नियमों में स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष प्रावधान किए गए है।

इसी प्रकार एमएसएमई, महिला उद्यमी, एस.सी./एस.टी. उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए भी नियमों में प्रावधान किए गए है।

D16227/23

भाद्रपद कृष्ण पक्ष-05, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 81 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2021-23

भोपाल
04 सितंबर 2023 सोमवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

छोटी खबरें

18 लाख बोतलें गटक रहे दिल्ली वाले, आबकारी कूट रहा 20 करोड़ रोज

नई दिल्ली एजेंसी। शौक के मामले में दिल्ली वाले बड़े बिंदास हैं। यदि शराब की बात ही हो तो यहां करीब 18 लाख शराब की बोतलें बिक जाती हैं। मौजूदा एक्साइज पॉलिसी में रोज सरकार के खजाने में 21 करोड़ रुपये का राजस्व इकट्ठा होता है। नई आबकारी नीति 2021-22 के 10 महीने से भी कम अवधि के दौरान दिल्ली सरकार को करीब 5,576 करोड़ रुपये की आय हुई थी। इसमें 12.5 करोड़ बोतल शराब की बिक्री पर वैट से हुई 540 करोड़ की आमदनी भी शामिल है। अब मौजूदा आबकारी नीति के तहत रोज करीब 18 लाख शराब की बोतलें बिक रही हैं। वापस ली गई नई आबकारी नीति के तहत रोज करीब 4.4 लाख बोतलें बिक रही थीं और सरकार को 19.4 करोड़ रुपये की आय रोज हुई थी।

ग्रे मार्केट में आज से हलचल

मुंबई एजेंसी। आज से शुरू हो रहे नए सप्ताह के दौरान इनिशियल पब्लिक ऑफर से मार्केट में हलचल बढने के आसार हैं। क्योंकि कई कंपनियां अपना आईपीओ लॉन्च करने वाली हैं। 6 सितंबर को एसएमई कंपनी कहन पैकेजिंग का आईपीओ निवेश के लिए ओपन होने वाला है लेकिन ग्रे मार्केट में ये आईपीओ अभी से ही धमाल मचा रहे हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि ग्रे मार्केट में नजर आ रही तेजी बरकरार रही, तो लिस्टिंग के दिन ही निवेशकों को 94 फीसदी का जोरदार मुनाफा मिल सकता है।

ओडिशा में दो घंटे में 61 हजार बार बिजली गिरी

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में डरा देने वाली घटना हुई है। यहां पर लगभग दो घंटे में 61,000 बार आकाशीय बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए। बिजली गिरने से मारे गए लोगों के लिए चार लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया गया है। वहीं ओडिशा में मौसम बहुत खराब हो चला है। मौसम विभाग ने 7 सितंबर तक राज्य में चरम मौसम की स्थिति की चेतावनी जारी की है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर सक्रिय एक चक्रवाती परिसंचरण अगले 48 घंटों में कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल सकता है और इसके प्रभाव में पूरे ओडिशा में व्यापक वर्षा होने की संभावना है।

जसप्रीत बुमराह बने पिता, पत्नी ने बेटे को जन्म दिया

मुंबई। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पिता बन चुके हैं। उनकी पत्नी संजना गणेशन ने बेटे को जन्म दिया है। संजना और बुमराह पहली बार माता-पिता बने हैं। जसप्रीत बुमराह ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर अपने पिता बनने की जनकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके बेटे का नाम अंगद रखा गया है। बुमराह फिलहाल मुंबई में हैं और नेपाल के खिलाफ मैच में नहीं खेलेंगे। वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद श्रीलंका से वापस भारत आ गए थे। अब वह एशिया कप में सुपर चार के मुकाबलों के लिए वापस श्रीलंका जाएंगे।

उज्जैन में अनुष्ठान में पहुंचे शिवराज बोले- किसानों को असुविधा लेकिन हम कर रहे प्रयास

बिजली रिटर्न्स: चुनाव के पहले बढ़ा संकट, सूखे की आहट से बदला मुद्दा

भोपाल उज्जैन, दोपहर मेट्रो। मप्र में विधानसभा चुनाव के पहले सियासी वार-पलटवार के केंद्र में बिजली फिर आ गई है। कम बरसात पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का कहना है कि प्रदेश में सूखे की स्थिति पैदा हो रही है । फसलों पर संकट छाया है। वे यह भी कह चुके हैं कि दस रूपये यूनिट पर भी बाजार में बिजली नहीं मिल रही है,जिससे किसानों को आपूर्ति की जा सके। शिवराज ने आज उज्जैन में महाकाल मंदिर में महारुद्राभिषेक अनुष्ठान का शुभारंभ और भगवान महाकाल की पूजाअर्चना के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि लगभग अगस्त माह पूरा सूखा गया है। इसलिये बाबा कृपा करें, वर्षा करें, यदि अच्छी वर्षा हो जाए फसलें बच जाएंगी। दरअसल, आज सुबह ही मुख्यमंत्री महाकलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने उज्जैन पहुंच गये थे।वे महारुद्र अनुष्ठान में शामिल हुए तथा महाकाल का पंचामृत पूजन भी किया। महारुद्र अनुष्ठान शासकीय पुजारी पं. घनश्याम शर्मा के निर्देशन में हो रहा है। इसमें महाकाल मंदिर के पुजारी और 66 ब्राह्मण नंदी मंडपम में 1331 रुद्र पाठ करेंगे। ये 6 घंटे यानी दोपहर 3 बजे तक चलेगा।

मौसम विभाग बोला-आज भोपाल समेत 21 जिलों में बारिशः इधर मध्यप्रदेश में 11 दिन बाद आज मानसून ब्रेक खत्म होने के आसार दो दिन से बने हुए हैं। बंगाल की खाड़ी से सिस्टम एक्टिव होने से सोमवार को प्रदेश के करीब 21 जिलों में हल्की बारिश होने के आसार हैं। कल से अधिकांश जिलों में बारिश हो सकती है। जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग के जिलों (अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडोरी, जबलपुर, कटनी, मंडला, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया) में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। 6 से 7 सितंबर तक लो प्रेशर एरिया एक्टिव हो सकता है।यह 18 सितंबर तक सक्रिय रहेगा।

अब शिवराज बिजली को झटका दे रहे : नाथ

इधर मप्र कांग्रेस चीफ कमलनाथ ने आज कहा कि 'सीएम शिवराज दुनिया के पहले आदमी हैं जो बिजली को भी झटका दे रहे हैं।' नाथ ने कहा कि जब प्रदेश में सामान्य परिस्थितियां थीं तो मुख्यमंत्री यह कहते नहीं थकते थे कि मध्यप्रदेश में सरप्लस बिजली है और आज जब वाकई बिजली की आवश्यकता है तब शिवराज ने पूरे प्रदेश और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र को बिजली कटौती के अंधकार में झोंक दिया है तथा अब मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि हम बिजली खरीदना चाहते हैं लेकिन बिजली मिल नहीं रही है। नाथ ने कहा कि मानसून का पूर्वानुमान अप्रैल से ही आना शुरू हो जाता है। प्रदेश में कम वर्षा होगी इसकी जानकारी कोई सितंबर में नहीं लगी है। लेकिन अब शिवराज आग लगने पर कुआं खोदने का अभिनय कर रहे हैं। बिजली संकट अल्प वर्षा के कारण नहीं बल्कि सरकार की लापरवाही, अक्षमता और अदूरदर्शिता के कारण आया है।

जनआशीर्वाद यात्रा के बीच उमाभारती के बयान से भाजपा ठिठकी

पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता उमाभारती ने 'जन आशीर्वाद यात्रा' का निमंत्रण न मिलने से नाराजगी जताकर भाजपा को परेशान कर दिया है। उमाभारती ने कहा है कि 'अब अगर निमंत्रण मिलता भी है, तब भी वे यात्रा में शामिल नहीं होंगी। मुझे यात्रा में कहीं भी नहीं बुलाया गया, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, मगर मेरे मन में एक सवाल जरूर आता है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अगर उनकी सरकार बनवाई तो मैंने भी एक सरकार बनाकर दी थी।' उमा भारती ने यह तक कहा कि मुझे यात्रा में नहीं जाना था, क्योंकि इन लोगों को यह डर लगता है कि अगर मैं वहां पहुंच जाऊंगी तो लोगों का सारा ध्यान मेरी तरफ होगा लेकिन निमंत्रण देने की औपचारिकता तो पूरी करनी चाहिए थी। अलबत्ता उन्होंने कहा कि शिवराज मुझे जब भी चुनाव प्रचार करने के लिए कहेंगे, मैं उनका मान रखते हुए चुनाव प्रचार कर सकती हूं।

भाजपा के पूर्व विधायक बागरी कांग्रेस में शामिल

भोपाल दोपहर मेट्रो। भाजपा के पूर्व बिद्यायक महेंद्र बागरी भी आज कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। वे पन्ना जिले की गुन्नौर सीट से विधायक रहे हैं। वे काँग्रेस जिलाध्यक्ष शिवजीत सिंह के साथ यहां पहुंचे और प्रदेशअध्यक्ष कमलनाथ की मौजूदगी में सदस्यता ली। बताया जाता है कि आगामी विस चुनाव में भाजपा से टिकट नहीं मिलने के आसार देखकर वे नाराज चल रहे थे।हाल में यहां भाजपा ने राजेश वर्मा को उम्मीदवार बनाया है।

सनातन पर सियासी बवाल के बीच कबीर के दोहे से बचाव भी शुरू

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु सरकार में मंत्री और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर जहां सियासी तौर पर भारी हंगामा है, वहीं कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने प्रकारांतर से समर्थन किया है जबकि राजद नेता मनोज झा ने भी कबीरदास का दोहा सुनाया है। उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों से करते हुए कहा था कि इसे मिटाना है। उनके इस बयान को भाजपा ने जीनोसाइड कॉल बताया तो कांग्रेस ने इससे किनारा कर लिया है। जूनियर चिदंबरम ने उदयनिधि के बयान पर कहा है कि सनातन धर्म एक कास्ट हायरार्कियल सोसायटी के लिए कोड के अलावा और कुछ नहीं है, इसके लिए बैटिंग करने वाले सभी अच्छे पुराने दिनों के लिए उत्सुक हैं! कार्ति ने कहा, तमिलनाडु में आम बोलचाल की भाषा में 'सनातन धर्म' का अर्थ पदानुक्रमित समाज है, ऐसा क्यों है कि हर कोई जो सनातन धर्म के लिए बल्लेबाजी कर रहा है वह विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग से आता है, जो 'पदानुक्रम' के लाभार्थी हैं। दूसरी तरफ आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि कभी-कभी हमें प्रतीक मुहावरे के अंदर जाकर सोचना होगा। उन्होंने कबीर दास का दोहा उध्दत करते हुए कहा- जो तू ब्राह्मण ब्राह्मणी जाया, आन बाट काहे नहीं आया। जो तू तुरुक तुरुकनी जाया, अंदर खतना क्यूं न कराया। झा ने कहा कि क्या कबीर को फांसी पर लटका देंगे?

पाक राष्ट्रपति के दफ्तर पर सेना का कब्जा

नई दिल्ली। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थक माने जाने वाले राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को सेना ने अपने घेरे में ले लिया है। यह कदम अल्वी को चुनावी तारीखें घोषित करने से रोकने के लिए उठाया है। खबरों के मुताबिक नाटकीय घटनाक्रम में राष्ट्रपति भवन की चौथी मंजिल पर स्थित राष्ट्रपति के दफ्तर को पूरी तरह से खाली करा लिया गया। वहां मौजूद स्टाफ को दफ्तर से निकल जाने के लिए कह दिया गया। सेना प्रमुख असीम मुनीर और आईएसआई जनरल नदीम अंजुम के वहां पहुंचने से पहले पाकिस्तानी आर्मी ने भवन की चौथी मंजिल को अपने कब्जे में ले लिया।

हाईकोर्ट सख्त,उप्र सरकार को नोटिस

महिला सिपाही से ट्रेन में रेप, देर रात को लगाई अदालत

लखनऊ , एजेंसी। उप्र में ट्रेन में महिला आरक्षक से बलात्कार के मामले में इलाहाबाद हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस ने स्वतः संज्ञान लेकर बीती रात अपने ही घर पर अदालत लगाई और कानून व्यवस्था पर सरकार को फटकारा भी। उधर योगी सरकार अगर सूबे कानून व्यवस्था को लेकर ही सबसे बढ़ा दावा करती है खासकर महिला सुरक्षा का। मगर अयोध्या में ट्रेन के भीतर एक महिला सिपाही लहूलुहान और तार-तार हालत में मिली उसने सरकार के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वह अभी भी जिंदगी और मौत के बीच लखनऊ के केजीएमयू अस्पताल में झूल रही है। उसके सिर में चोट है चेहरा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। इसी मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसकी सुनवाई में एक इतिहास रच दिया। हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर ने संज्ञान लेते हुए रविवार की रात को अपने घर पर एक विशेष अदालत बिठाई और सरयू एक्सप्रेस ट्रेन में महिला सिपाही के साथ हुई दरिंदगी को लेकर पहले पीआईएल और फिर इस मामले पर देर रात सुनवाई की। बेंच ने न सिर्फ नाराजगी जताई बल्कि राज्य सरकार और रेलवे को नोटिस जारी किया। आज भी दोपहर इस मामले की सुनवाई होगी। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल को भी अदालत में मौजूद रहने का आदेश दिया है। अब अफसर को कोर्ट में मौजूद होकर यह बताना होगा कि इस मामले में अब तक क्या एक्शन हुआ है।

मेट्रो एंकर

वलारमथी को आया हार्ट अटैक, वैज्ञानिकों में शोक

चंद्रयान का काउंटडाउन करने वाली आवाज हुई खामोश

श्रीहरिकोटा , एजेंसी। कुछ मशहूर हस्तियों, राजनेताओं, स्टार्स और खेल हस्तियों की आवाज हमारे दिमाग में जिंदगी भर के लिए बस जाती हैं। मगर एक ऐसी ही एक आवाज,जिसे हाल में देशवासियों ने सुना था,अब विदा हो गई है। दरअसल, वैज्ञानिक वलारमथी, जिन्होंने चंद्रयान-3 मिशन लॉन्चिंग में अपनी अनूठी आवाज से घोषणाएं की वह दुनिया को अलविदा कह गईं। हार्टअटैक से उनके निधन से इसरो वैज्ञानिकों में शोक की लहर दौड़ गई है। तमिलनाडु के अरियालुर की रहने वालीं वलारमथी ने चेन्नई में अंतिम सांस ली। जब देश के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण हुआ था। चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया था।

प्रज्ञान रोवर को किया गया निष्क्रिय

23 अगस्त को, चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल जिसमें विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर शामिल थे, चंद्रमा की सतह पर उतरा, जिससे यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बन गया। लैंडिंग ने देश को पृथ्वी के एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह के अज्ञात दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना दिया। इस बीच, इसरो ने शनिवार को कहा कि चंद्रमा पर प्रज्ञान रोवर को निष्क्रिय कर दिया गया है. अंतरिक्ष एजेंसी को उम्मीद है कि वह 14 दिन बाद इसे फिर से सक्रिय करेगी।

टारगेट से आगे निकला चंद्रयान, लगा रहा छलांग !

इधर चंद्रयना टारगेट से ज्यादा बेहतर काम कर रहा है। एक तरफ जहां प्रज्ञान रोवर चांद पर सूर्यास्त के बाद सो चुका है वहीं, विक्रम लैंडर चांद की सतह पर छलांग लगा रहा है। वह 40 सेंटीमीटर की ऊंचाई तक कूदा। इस दौरान उसने 30 से 40 सेंटीमीटर की दूरी भी तय की। अब इसरो ने कहा है कि विक्रम ने फिर से सॉफ्ट लैंडिंग की है व छलांग लगाने के एक्सपेरिमेंट को पूरा किया है। कमांड देने के बाद विक्रम के इंजन ऑन हुए।

आदित्य अब वह दूसरी कक्षा में स्थापित

इधर सूर्य के लिये लॉन्च हुए आदित्य-Lv मिशन पर इसरो ने बड़ा अपडेट दिया है। अपनी लॉन्चिंग के एक दिन बाद रविवार को आदित्य-Lv ने अपनी कक्षा बदल ली है और अब वह दूसरी कक्षा में स्थापित हो गया। प्रक्रिया के अनुसार इसे 16 दिनों तक पृथ्वी की परिक्रमा करनी है, इसके बाद ही वह सूर्य की ओर अपने मार्ग पर बढ़ जाएगा। आदित्य एल-1 16 दिनों में पांच बार पृथ्वी की कक्षा बदलेगा। इसरो के अपडेट के मुताबिक, अब 5 सितंबर को दोबारा कक्षा में बदलाव होगा। इसरो ने ट्वीट किया कि आदित्य-Lv ठीक से काम कर रहा है। कक्षा बदलाव की अगली प्रक्रिया पांच सितंबर 2023 को होनी है।

धूप और पानी के बीच शेड

प्रदेश में बारिश नहीं होने के कारण भोपाल की बड़ी झील में तेज धूप के चलते धूप और पानी के बीच पुराने बोट क्लब के ढांचे पर नया शेड का दृश्य बनता दिखाई दिया, जिसे फोटोग्राफर भूपेन्द्र सिंह ने कैमरे में कैद किया।

केरवा चौकी के बाद 13 शटर गेट के आसपास लगना था ई–सर्विलांस टॉवर

आबादी तक आकर लौट रहे बाघ तब भी अनजान रहता है वन अमला

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

रातापानी वन्यजीव अभयारण्य से बाघ भोपाल के नजदीक आबादी तक आकर लौट जाते हैं तब जाकर वन अमले को इसकी भनक लगती है। वजह ई–सर्विलांस टावर का विस्तार नहीं होना है। अभी एक टावर केरवा चौकी में लगा हुआ है, जो कि आसपास 4 से 5 किलोमीटर तक का क्षेत्र कवर करता है उसके बाद का क्षेत्र इस टावर के दायरे से बाहर हो जाते हैं। खासकर भोपाल शहर की आबादी से सीधे जुड़े कलियासोत डैम, वाल्मी पहाड़ी, बुल मदर फार्म, 13 शटर गेट वाले क्षेत्रों में पहुंचने वाले बाघों की तो जानकारी ही नहीं मिल पाती। अमले को यह जानकारी किसी मवेशी का शिकार करने की घटना के बाद लगती है। उसके लिए भी विभाग पगमार्क दिखाई देने तक रिकार्ड में बाघों के मूवमेंट को शामिल करने से बचता है।

असल में जो टावर केरवा चौकी में लगा है, उसके बाद शहर की सीमा की ओर पहाड़ी क्षेत्र है जिसकी हाइट काफी अधिक है। साथ ही जहां टावर लगा है वह डाउन क्षेत्र कहलाता है। इस वजह से टावर नजदी का क्षेत्र होने के बावजूद उसे कवर नहीं कर पा रहा है। तब तक बाघ हो या तेंदुए झाड़ियों का फायदा उठाकर आबादी तक पहुंच जाते हैं।

बजट के अभाव में नहीं हो रहे पुख्ता इंतजाम

बुल मदर फार्म तक पहुंचा था बाघ, शिकार भी किया

जून माह में एक बाघ केरवा चौकी क्षेत्र से होते हुए बुल मदर फार्म के अंदर तक दाखिल हो गया था। उसके द्वारा मवेशियों पर हमले भी किए थे। जिसकी वजह से बुल मदर फार्म प्रबंधन परेशान हो गया था। सीसीटीवी कैमरे लगाने पड़े थे। यहां तक कि बाउंड्रीवाल की जांच करानी पड़ी थी, तब पता चला था कि एक बाघ टूटी हुई बाउंड्रीवाल से दाखिल हो रहा है। जिसे बाद में प्रबंधन ने ठीक कराया था। इसके बाद बाघों का बुल मदर फार्म में प्रवेश बंद हुआ था।

टॉवर लगाने पर बनी थी सहमति, लेकिन आगे नहीं बढ़ा काम

उल्लेखनीय है कि बुल मदर फार्म से लेकर वाल्मी पहाड़ी के बीच तक आबादी और वन सीमा में एक ई–सर्विलांस टावर लगाने पर सहमति बन गई थी। टावर लगाने को लेकर डा. एसपी तिवारी के डीएफओ रहते कार्यवाही भी शुरू होने वाली थी लेकिन बाद में यह मामला अटक गया। उसके बाद से शुरूआत ही नहीं हुई। हालांकि एचएस मिश्रा के डीएफओ बनने के बाद आबादी व वन सीमा के बीच तार फेंसिंग का काम आगे बढ़ा था लेकिन वह भी पूरा नहीं हुआ। अब वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल बाघों के मूवमेंट पर नजर रख रहे हैं। वरिष्ठ स्तर से निर्देश मिलते हैं तो ई–सर्विलांस टावर लगाया जाएगा। फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है।

करोंद गल्ला मंडी में आज सुबह से अनाज की खरीदी व नीलामी बंद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश भर के अनाज व्यापारी टैक्स में छूट की मांग कर रहे है, जिसके पूरा नहीं होने के कारण सोमवार सुबह से हड़ताल पर है। करोंद गल्ला मंडी में अनाज की खरीदी व नीलामी बंद कर दी है। यही हाल प्रदेश भर की मंडियों के हैं। कही भी खरीदी नहीं की जा रही है। यह हड़ताल सकल अनाज दलहन तिलहन व्यापारी महासंघ समिति के आव्हान पर की जा रही है।

अनाज व्यापारी टैक्स घटाने की कर रहे मांग

अनाज व्यापारी मंडी टैक्स 1.50 प्रतिशत से घाटा कर एक प्रतिशत करने, दुकानों के लाइसेंस नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त करने सहित कुल 11 सूत्रीय मांगों को पूरा कराने पर अड़े हुए हैं।

पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री सुनाएंगे श्री हनुमंत कथा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

श्री बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री 14 से 17 सितंबर तक शहर में श्री हनुमंत कथा सुनाएंगे। यह आयोजन करोंद क्षेत्र में होगा। 16 सितंबर सुबह 11 बजे को उनका दिव्य दरबार सजेगा।

इस आयोजन को लेकर मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को गुजराती भवन में प्रबुद्ध जनों एवं विभिन्न समाजों की बैठक ली। जिसमें आयोजन को लेकर पूरी जानकारी दी। यह भी बताया कि अन्ना नगर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में शहरवासी शामिल होंगे।

एफबीडी ने एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने सौंपा ज्ञापन, दिए सुझाव

भोपाल । राजधानी में एयर कनेक्टिविटी बढाने पर काम कर रही संस्था एयर कनेक्टिविटी फॉर भोपाल डेवलपमेंट ने एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी से मुलाकात कर भोपाल से जल्दी ही अंतराष्ट्रीय उड़ान शुरू करने और डोमेस्टिक फ्लाइट्स में वृद्धि को लेकर मुलाकात कर उनसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर ज्ञापन सौपा। एफबीडी ग्रुप के संस्थापक आबिद ने बताया की वर्तमान में, इंडिगो और एयर इंडिया भोपाल हवाई अड्डे से उड़ानें संचालित करते हैं। इंडिगो प्रतिदिन 20 उड़ानें संचालित करती है, जबकि एयर इंडिया प्रतिदिन 6 उड़ानें संचालित करती है। भोपाल दिल्ली, मुंबई, आगरा, प्रयागराज, बेंगलुरु, हैदराबाद, उदयपुर, रायपुर, गोवा, कोच्चि और अहमदाबाद जैसे प्रमुख शहरों से सीधे जुड़ा हुआ है। जबकि भोपाल को अन्य शहरों से जोड़ने और अंतर्राष्ट्रीय उड़ान की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि ग्राहक संतुष्टि सर्वे में भोपाल को शीर्ष स्थान मिलने के बाद अन्य एयरलाइंस ने

यहाँ अपना ध्यान खींचा है। ऐसे में अकासा एयरलाइंस ने भी खास रुचि दिखाई है और एयरलाइंस भोपाल एयरपोर्ट अधिकारियों के संपर्क में है। वे अंतिम निर्णय लेने से पहले भोपाल एयरपोर्ट पर सुविधाओं का आकलन करने के लिए जल्द ही दौरा कर सकते हैं। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने आश्वस्त किया की इस विषय पर सम्बंधित एयरलाइन्स के साथ विस्तारपुर्वक चर्चा की जाएगी।

सेवासदन में यूरोलोजी रोगियों का पंजीयन 4 से 23 सितम्बर तक

हिरदाराम नगर। पेशाब की बीमारियां से पीड़ित निर्धन रोगियां का इलाज और आपरेशन करने के लिए सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में आगामी 23 सितम्बर से 4 अक्टूबर 2023 तक 98वां निःशुल्क यूरोलोजी शिविर लगाया जाएगा। रोगियों की सुविधा को देखते हुए सेवा सदन अस्पताल प्रबंधन ने टेलिफोन पर भी रोगियों का पंजीयन करने का निर्णय लिया है । रोगी, व्यक्तिशः अस्पताल आकर अथवा टेलिफोन पर दिनांक 4 से 23 सितम्बर 2023 तक की अवधि में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से संध्या 5 बजे तक फोन नम्बर 6260392547 और 0755-2643712 पर पंजीयन करवा सकते हैं। शिविर में किडनी या पेशाब नली में पथरी, प्रोस्टेट ब?ने, हायड्रोसिल, हायपोस्पीडिया, बार-बार पेशाब आना और पेशाब मे जलन आदि की बीमारियां का इलाज अथवा जरूरत के अनुसार निःशुल्क आपरेशन किये जांएगे ।

हुजूर में रक्षा बंधन कार्यक्रम: विधायक रामेश्वर को दूसरे दिन बांधी 25 हजार बहनों ने राखियां

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

हुजूर के रक्षाबंधन कार्यक्रम में दूसरे दिन 25 हजार से अधिक बहनों ने विधायक रामेश्वर शर्मा को राखी बांधी। विधायक शर्मा ने कहा, बहनों की सुविधा और सुरक्षा में तन-मन-प्राण समर्पित कर दूंगा।

रक्षा बंधन कार्यक्रम में पिछले दो दिनों में लगभग 2 दर्जन से अधिक स्थानों पर आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम में लगभग 50 हजार से अधिक बहनों ने विधायक रामेश्वर शर्मा को राखी बांधी। अपने भैया को राखी बांधने की होड़ इस कदर रहती है कि हर स्थान पर विधायक शर्मा घंटों बैठकर बहनों से राखी बंधाते रहते हैं। गौरतलब है कि हुजूर के रक्षाबंधन कार्यक्रम 02 - 10 सितंबर तक आयोजित किया जा रहे हैं। जिसके पहले दिन रिकार्ड 25 हजार से अधिक महिलाओं ने विधायक रामेश्वर शर्मा को आशीर्वाद दिया था। दूसरे दिन रविवार को भी 25 हजार से अधिक बहनों ने विधायक रामेश्वर शर्मा को राखी बांधी।

मेट्रो एंकर मांग : इंदौर रोड का विकास मास्टर प्लॉन प्रारूप 2020 के अनुसार रखा जाए

कैचमेंट को लेकर बड़ा आंदोलन शुरू होगा, किसान संयुक्त मोर्चा बना

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

कैचमेंट को लेकर किसानों ने बड़े आंदोलन की तैयार कर ली है। 15 किसान संगठनों की बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा का गठन किया गया है।

भारतीय किसान यूनियन (टिकेत) के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा की टीएनसीपी ने जो तालाब का अवैधानिक रूप से विस्तार किया है। इंदौर रोड के दाएं तरफ केसमेंट लगा दिया है उसको हटाया जाए। व्यावसायिक एवं आवासीय परमिशन दी जाए। उन्होंने कहा इस संबंध में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय नेता

राकेश सिंह टिकेत से भी चर्चा हुई है। मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन में उनको भी बुलाया जाएगा।

यादव ने कहा कि हमारी जमीनों को पहले तालाब में अधिग्रहण कर लिया अब उन्हें कैचमेंट लगाकर हमारी जमीनों को डी ग्रेड किया जा रहा है। जब तक कैचमेंट नहीं हटेगा तब तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। किसान संघ के नेता मनोहर सिंह ठाकुर ने कहा सरकार ने तालाब का एरिया बिना किसी नोटिफिकेशन के 42 परसेंट बढ़ा कर दिया गया है। हजारों हेक्टर एरिया में कैचमेंट लगा दिया जो अनुचित और असंवैधानिक है

इंदौर रोड पर दाएं तरफ फंदा तक एवं खजूरी से नीलबड़ तककैचमेंट मुक्ति की मांग की गई। कैचमेंट को मास्टर प्लान 2005 की तरह रखने की मांग की गई। विकास मास्टर प्लान प्रारूप 2020 के अनुसार रखने की मांग किसानों ने की। बैठक में शिवराज सिंह ठाकुर, तेजपाल पाटीदार नगीना, गणेश मेवाड़ा, भगवती प्रसाद उपाध्याय, भगवान सिंह मीणा व बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद ने आयोजित की प्रतियोगिता

भारत को जानो प्रतियोगिता में 247 बच्चों ने लिया हिस्सा

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

भारत विकास परिषद ने 'भारत को जानो' प्रतियोगिता मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में आयोजित की, जिसमें संतनगर के विभिन्न स्कूलों के 247 बच्चों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में कमल प्रेमचन्दानी, वी एन मोतियानी, ए सी साधवानी, प्रकाश आसूदानी, कीर्ति तोलानी, बी डी भरवानी, राकेश हरपलानी, गोबिंद मीरचंदानी, प्रकाश रंगवानी, गुलाब जेठानी आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल, मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल, दीपमाला पागारानी संस्कार पब्लिक स्कूल, साधु वासवानी स्कूल, ए टी शहानी हा से स्कूल, के टी शहानी हा से स्कूल, क्राइस्ट मैमोरियल हा से स्कूल, मुकिता इंटरनेशनल स्कूल प्रतियोगिता में शामिल हुए।

नर्मदापुरम के डूमर गांव की घटना, अंतिम संस्कार सहायता व चार-चार लाख मिलेगी मुआवजा राशि

दूधी नदी में डूबे सभी 5 बच्चों के मिले शव, 24 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

बनखेड़ी क्षेत्र के डूमर गांव के जेतवाड़ा घाट पर दूधी नदी में डूबे सभी पांच लोगों के शव रविवार को निकाल लिए गए हैं। पोस्टमार्टम के बाद बच्चों के शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। एक साथ पांच बच्चों की मौत से पूरे गांव में मातम पसर गया है। एसडीई-आरएफ की टीम और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से शव निकाले गए हैं। 24 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को नर्मदापुरम जिले की बनखेड़ी तहसील की यह घटना बताई जा रही है।

दूधी नदी के जेतवाड़ा घाट पर 6 बच्चे नहा रहे थे। इसी दौरान गहराई में जाने के कारण पांच बच्चे डूब गए। एक बच्चे नदी से बाहर निकलने में सफल हुआ। ग्रामीणों द्वारा सूचना मिलने पर पुलिस-प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। देर रात तक दो शव बरामद कर लिए गए थे। अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया था।

कलेक्टर एवं एसपी ने मौके पर खड़े रहकर चलवाया बचाव अभियान

रविवार सुबह फिर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। जिसमें तीन और लड़कों के शव बरामद किए गए।

मृतकों की हुई पहचान

पिपरिया एसडीएम संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि देर रात करण पिता कमोद अहिरवार (18) और दीपेश पिता दुर्गेश अहिरवार (16) के शव बरामद किए गए थे। रविवार सुबह समीर पिता अवधेश वंशकार (14), अनिकेत पिता ओमप्रकाश अहिरवार (18) और किशन पिता पप्पू अहिरवार (18) के भी शव बरामद हो गए। पांचों ग्राम पंचायत डूमर के निवासी हैं।

मुख्यमंत्री चौहान ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि नर्मदापुरम जिले के ग्राम डूमर में दूधी नदी में डूबने से हुई मासूम बच्चों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। इस विकट परिस्थिति में मेरी संवेदनाएँ शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वे दिवंगत आत्माओं को शांति तथा शोकाकुल परिजनों को इस वज्रपात को सहने की शक्ति दें।

इस घटना को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि दूधी नदी के जेतवाड़ा घाट से बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन किया जाता है, जिसके चलते यहां पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। इन्हीं गड्ढों में सभी युवक फंस गए, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

कलेक्टर ने की आर्थिक सहायता की घोषणा

नर्मदापुरम। बनखेड़ी की ग्राम पंचायत डूमर में दूधी नदी में डूबने से हुई पांच बच्चो की मृत्यु पर कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशानुसार बच्चों के परिजनों को तत्काल 5-5 हजार रूपये की अंत्येष्टि सहायता दी गई हैं। आरबीसी 6 (4)के तहत भी मृतक बच्चों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई हैं। एसडीएम पिपरिया संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि घटना में समीर वंशकार उम्र 14 वर्ष, अनिकेत अहिरवार उम्र 18 वर्ष, दीपेश अहिरवार उम्र 16 वर्ष, किशन अहिरवार उम्र 18 वर्ष एवं करण अहिरवार उम्र 18 वर्ष की मृत्यु हुई है। पांचो बच्चे ग्राम पंचायत डूमर के निवासी हैं।

कवियों ने किया रचनाओं का पाठ, शिक्षक सम्मानित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

रामायण केंद्र के निदेशक डॉक्टर राजेश श्रीवास्तव की उपस्थिति में कवि गिरी मोहन गुरु लिखित 'बाल रामायण' का विमोचन संपन्न

नगर के माँ ललिता आश्रम पंचवटी में कवि गिरी मोहन गुरु द्वारा लिखित और रामायण केंद्र भोपाल द्वारा प्रकाशित 'बाल रामायण' का लोकार्पण रामायण केंद्र निदेशक डॉक्टर राजेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता, डा; राजेश शर्मा के मुख्य आतिथ्य तथा प्रबुद्ध साहित्यकार सुरेश पटवा,देवेंद्र रावत एवं आचार्य अजय दुबे के विशिष्ट आतिथ?य संपन्न हुआ। भोपाल की साहित्यकार डॉक्टर रूपाली सक्सेना, अनुभूति शर्मा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों द्वारा मॉ ललिताम्बा की दिव्य ज्योति के पूजन, छात्राओं के सरस्वती वन्दना एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया ।

सर्वप्रथम देवेंद्र रावत ने मंच पर विराजमान प्रबुद्ध जनों और उपस्थित श्रोताओं का स्वागत करते हुए गिरी मोहन गुरु को नर्मदा घाटी का संत तुलसी निरूपित किया। डॉक्टर राजेश शर्मा ने मानव जीवन में अध्यात्म और विज्ञान की मिली जुली भूमिका पर प्रकाश डाला।

सुरेश पटवा ने श्रीराम की साहित्यिक विवेचना पेश करते हुए अमृत लाल नागर द्वारा तुलसीदास जी के जीवन पर लिखित उपन्यास का हवाला देते हुए कहा कि श्री राम के चरित्र से पाँच गुण सामने आते हैं- त्याग, तपस्या, मर्यादा, संघर्ष और अनुशासन। रामचरितमानस में ये गुण सिर्फ़ राम के चरित में नहीं दिखते अपितु हनुमान, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघन, सीता, उर्मिला, मांडवी और श्रुतकीर्ति के चरित्रों में भी ये पाँच गुण परिलक्षित होते हैं। भारत विश्व गुरु भूमिका निभा सकता है यदि भारत के प्रत्येक नागरिक इन गुणों को अत्मसात करें।

रामायण केंद्र के निदेशक डॉक्टर राजेश श्रीवास्तव ने विश्व में रामायण संस्कृति का प्रचार प्रसार पर प्रकाश डालते हुए नई पीढ़ी का आह्वान किया कि वे इस क्षेत्र में शोध कार्य करें। शिक्षक दिवस के अवसर पर उल्लेखनीय सेवाओं को रेखांकित करते हुए शिक्षकों में प्रभात पाण्डे, रोहित कुमार दुबे, अखिलेश दुबे, डाक्टर भारती मिश्रा, वीरन्द्र सिंह, श्रीमति प्रियंका साहू, ओंकारसिंह, संतोष मौर्य, रामगोपाल पटेल,आदि का सम्मान किया गया एवं बारहवी दसवी एवं आठवी के उच्चतमश्रेणी प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरूस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में रूपाली सक्सेना, अनुभूति शर्मा, देवेन्द्र रावत, सरेश पटवा, डाक्टर दिनेश श्रीवास्तव , सुभाष यादव ,शिवानंद सोनी, जगदीश बाजपेयी, शीतलप्रसाद मिश्रा, मदन तनहाई, कुमार अंशिता श्रीवास्तव, आत्माराम यादव आदि द्वारा काव्य पाठ किया गया।

भाजपा से युवाओं व महिलाओं को जोड़कर बांटी गईं टी शर्ट

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

मप्र के मन में मोदी कार्यक्रम के तहत भाजपा द्वारा सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। इसमें नंबर 7000230230 पर मिस कॉल करके संबंधित व्यक्ति को प्राप्त लिंक से सदस्यता प्राप्त करनी होती है।

इस अभियान में भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ, नर्मदापुरम के जिला संयोजक डॉ विशाल सिंह बघेल की टीम द्वारा गांव गांव जाकर लोगों को भारतीय जनता पार्टी से जोड़ा जा रहा है। नए मतदाताओं को भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों को बताकर उन्हें भाजपा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही केंद्र की मोदी सरकार तथा मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार द्वारा चलाई जा रही जनहितैषी योजनाओं का लाभ ले रहे लोगों को भी इनके फायदे बताकर पार्टी से जोड़ा जा रहा है। इस कड़ी में आज सिवनी मालवा विधानसभा के ग्राम उमरिया में 20 से ज्यादा युवकों व महिलाओं को पार्टी का सदस्य बनाया। इसके साथ ही डॉ विशाल सिंह बघेल मित्र मंडल से जुड़े युवाओं को की शर्ट वितरित की गई। इस दौरान ग्राम पंचायत उमरिया की सरपंच पूजा पंचारिया व अन्य उपस्थित रहे।

किसानों के हित में तवा डैम से पानी छोड़ने का निर्णय : कृषि मंत्री

नर्मदापुरम. किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में लगातार किसान भाईयों-बहनों के हित में किसान हितैषी निर्णय करती रही है।

बारिश की कमी के कारण नर्मदापुरम एवं इटारसी तहसील के किसानों के हित में धान की फसलों के लिए आज तवा डैम से 700 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, बारिश से नहरों में उपलब्ध पानी को मिलाकर लगभग 1050 क्यूसेक पानी किसान भाईयों को मिलेगा। तवा डैम से 20 कि.मी. लंबाई के क्षेत्र तक धान की फसलों के लिए अभी पानी छोड़ा गया है।

मध्यप्रदेश सरकार सदैव संकट के समय किसानों के साथ खड़ी रही है, आगे भी आवश्यकता अनुसार मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में किसान भाईयों के हित में उचित निर्णय लिए जाएंगे।

दस्तक अभियान में 1.12 लाख बच्चों के स्वास्थ्य की हुई जांच

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं उनके उपचार प्रबंधन के लिए जिले में दस्तक अभियान 18 जुलाई से सुचारू है। जिसे अब 7 सितम्बर तक बढ़ा दिया है। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा दस्तक अभियान की सघन मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य में अमले को अभियान के दौरान प्रत्येक बच्चे की स्क्रीनिंग किए जाने के निर्देश दिए है, सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार ने बताया की दस्तक अभियान में आज दिनांक तक संपूर्ण जिले में 1,12, 424 बच्चों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग हुई हैं, जिसमें 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में प्रमुख बाल्यकालीन बीमारियों की सामुदायिक स्तर पर सक्रिय पहचान और त्वरित उचित प्रबंधन किया गया है। ताकि बाल मृत्यु दर में वांछित कमी लाई जा सके।

दस्तक अभियान के अंतर्गत दस्तक दल एएनएम, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ता द्वारा 1011 गांव में घर-घर जाकर 95643 बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाई गई है। जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 1,39,480 बच्चे हैं जिनमें से 126292 बच्चों की पोर्टल में एंट्री हो गई है, स्क्रीनिंग बच्चों में 909 कुपोषित बच्चे पाए गए है,जिनमें से 266 बच्चे एनआरसी में भर्ती होकर उपचारत हैं । शेष बच्चे चिकित्सक की सलाह अनुसार उपचार ले रहे हैं। एनीमिया के 67,773, दस्त रोग के 662, निमोनिया के 239 एवं जन्मजात विकृति के 352 बच्चे दस्तक अभियान के अंतर्गत खोजे गए हैं जिनको संस्था में चिकित्सकों द्वारा परीक्षण उपरांत उपचार दिया जा रहा है।

बीमार बच्चों का किया उपचार

मेट्रो एंकर | मापदंड के कारण अविवाहित महिलाएं निराश, नियम बदलने की मांग

लाड़ली बहना योजना से अविवाहित महिलाएं वंचित

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत 59 वर्ष तक विवाहित परित्यक्ता और विधवा महिलाओं को लाभ दिया जा रहा है, बाद में 21 वर्ष कि विवाहित युवतियों को भी लाभान्वित किया गया किंतु 60 वर्ष से कम आयु की अविवाहित महिलाओं को लाड़ली बहना योजना में लाभांवित नहीं किया जा रहा है । इस कारण ऐसी कई अविवाहित महिलाओं में निराशा देखी जा रही है जबकि अविवाहित महिलाओं को आर्थिक सहायता की अत्यन्त आवश्याकता है ।

समाज में जिन महिलाओं को लाडली बहन योजना से लाभ मिल रहा है वे तो प्रसन्न दिखाई दे रही है किंतु किसी कारण वश 25 से 59 वर्ष के बीच की महिलाओं का विवाह नहीं हो पाया है उनमें निराशा दिखाई दे रही है । इस संबंध में क्षेत्र के वरिष्ठ पत्रकार विजय सिंह ठाकुर ने मुख्यमंत्री उप सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय कलेक्टर कमिश्नर सांसद और विधायक को भी पत्र लिखे हैं पत्र के माध्यम मांग की गई है कि 30 वर्ष से ऊपर और 59 वर्ष के अंदर अविवाहित महिलाओं को भी लाडली बहन योजना का लाभ दिलाया जाए।

भीमगांव की 56 वर्षीय सुमनबाई राजपूत।

अधिकांश अविवाहित महिलाएं किन्हीं दूसरे लोगों पर आश्रित होकर अपना जीवन काट रही हैं या फिर मेहनत मजदूरी कर अपना जीवन निर्वाह कर रहीं हैं । शहर की हर गली चौराहों पर दो-तीन ऐसे प्रकरण मिल जाते हैं जहां 25 से 50 वर्ष की आयु के बीच की अविवाहित महिलाओं को लाडली बहना योजना का लाभ नहीं मिल रहा है । ग्रामीण अंचल में भी ऐसी महिलाओं की कमी नहीं है । लाचारी, मजबूरी, विकलांगता या फिर अन्य कोई ऐसी परिस्थिति रही हो जब उनका विवाह नहीं हो पाया अविवाहित रहते हुए ऐसी महिलाओं को लाडली बहना योजना के लाभ से वंचित रखा गया है।

ग्राम पथाड़ा की पूजा राजपूत 25 वर्षीय जिनका अक्षमता के रहते विवाह नहीं हो पाया वे अपनी भाई पर निर्भर हैं, ग्राम भीगांव की 56 वर्षीय सुमनवाई राजपूत भी इस योजना से वंचित है । ऐसे सैंकड़ों प्रकरण हैं जिन्हें भी मुख्यय मंत्री लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलना चाहिये।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय व्दारा जारी आदेश की कंडिका क्रमांक 2.6 में विवाहित महिलायें, विधवा, तलाकशुदा एवं परित्यक्ता महिलाओं को सम्मिलित किया गया है किन्तु आदेश में कही भी 23 साल से 59 वर्ष के बीच की अविवाहित महिलाओं के सम्बंध में कोई भी लाभावित करने के आदेश नहीं दिये गये हैं।

'अपने फैसलों को अल्लाह पर छोड़ दो मायूसी तुम्हें छोड़ देगी'

बारिश के लिए दूसरे दिन भी विशेष नमाज, रो-रो कर मांगी दुआ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

विकासखंड में सबसे कम बारिश होने के कारण केतन डैम में तो अपनी भराया ही नहीं है छोटे-छोटे नदी नाले भी खेल पड़े खाली पड़े हुए हैं बता लेवल में ही वृद्धि नहीं हुई है जल्दी ही बरसात नहीं हुई तो फैसले भी पूरी तरह से चौपट हो जाएगी गर्मियों तो दूर की बात है आने वाले कुछ महीनो में ही पीने के पानी की भी खिलाते हो जाएगी शहर वासियों की कंठ की प्यास को बजाने वाला केतन दम भी पूरी तरह से खाली पड़ा हुआ है उसमें 12 प्रतिशत के करीब भी पानी बताया ऐसी हालत में चारों तरफपरेशानियों का साया दिखाई दे रहा है। इस परेशानी की घड़ी में ऊपर वाला ही एक सहारा है जिससे बरसात की अर्जी नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में की जा रही है।

विशेष नमाज भी प्रारंभ : क्षेत्र में इन दोनों बारिश नहीं होने के कारण केथन डेम तालाब खाली पढ़ा हुआ है बरसात नहीं होने के कारण फसलें भी नष्ट होने की कगार पर पहुंच गई है खेतों में दरारें पड़ने लगी है गर्मी भी अधिक पढ़ रही है इसकी वजह से इल्ली मर दावा भी फसलों में काम नहीं कर रही है किसानों ने एक, बार दो बार नहीं तीन-तीन बार कीटनाशक दवा का उपयोग भी कर चुके हैं कई ग्रामों में पानी नहीं गिरने की वजह से दवाई काम नहीं कर रही है । बारिश को लेकर समय सभी वर्गों में चिंता में है तेज धूप और उमस से लोगों का बुरा हाल है। बीमारियां भी तेजी से पर फसा रही है बादल के कारण हर घर में मरीजों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। सभी लोग आसमान की ओर टक टक्की लगाए बारिश की कामना कर रहे हैं। वही मुस्लिम समाज ने आज दूसरे दिन भी इस्लामिक मान्यताओं के अनुसार ईदगाह पहुंचकर बारिश के लिए विशेष नमाज अदा की इस दौरान हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाह पहुंचे और देर तक बारिश के लिए रो-रो कर खुदा से दुआ मांगी जामा मस्जिद के इमाम हाफिज नूरुद्दीन ने बताया कि इस्लाम धर्म में बताया गया है कि बारिश न होने की सूरत में शहर से बाहर जाकर यह नमाज पढ़ी जाती है तो अच्छी बारिश होने की संभावना होती होती है मालिक भी लोगों की दुआ कबूल करता है। इस बिषेश नमाज में लगभग 6000 से अधिक लोगों ने शिरकत की नमाज से पूर्व इस्लामी विद्वान मुफ्ती हफीज अहमद कासमी ने बयान करते हुए कहा कि हमें अपने गुनाहों की माफी मांगना चाहिए हमें हर उस कम से बचना चाहिए जिससे खुदा नाराज हो अगर खुदा नाराज होता है तो फिर संसार में परिवर्तन दिखने लगते हैं जैसे बारिश का ना होना आदि यही वजह है कि उक्त नमाज के बाद देर तक दुआ हुई वहीं बारिश नहीं होती है तो कल भी यह नमाज पढ़ी जाएगी यह सिलसिला एक दिन और जारी रहेगा। बरसात के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई टोटके किए जा रहे हैं फिर भी बारिश के अभी असर दिखाई नहीं दे रहे हैं। मौसम विभाग द्वारा 5 और 6 सितंबर तक बारिश होने की संभावना जाहिर की जा रही है। यदि बारिश नहीं हुई तो फसलें चौपट हो जाएंगी। बीमारियों का कर भी बढ़ेगा। बरसात के दिनों में गर्मी जैसा एहसास हो रहा है।

डेम के नीचे वाली जमीन पर छायादार, फलदार व खुशबूदार पौधे लगवाएं

नगर पालिका का पौधरोपण अभियान

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

लटेरी रोड स्थित केथन डैम के नीचे वाली जमीन का कई वर्षों से उपयोग नहीं हो पा रहा था । कुछ असामाजिक तत्व के लोग उसको हथियाने की जरूर कोशिश कर रहे थे।

उस भूमि को नगर पालिका परिषद ने हरा भरा बनाने के लिए सिंचाई विभाग से जमीन को नगर पालिका ने हस्तांतरित करवाने की कार्रवाई करते हुए यहां पर फलदार छायादार पौधे लगाकर इसको हरा भरा बनाने का बीड़ा उठाया इसी क्रम में रविवार को यहां पर 400 के करीब नीम, पीपल, आम, मधु कामिनी साहित्य अन्य प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

17 बीघा जमीन को हरा करने का लक्ष्य

प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालमुकुंद कुशवाहा ने बताया कि लगभग 17 बीघा के करीब जमीन है इस पर हम वृक्षारोपण कराकर इसको हरा-भरा बनाएंगे यहां पर आने वाले लोगों को भी यहां की सुंदरता का लाभ मिलेगा साथ आने वाले समय में ताजी हवा में मिलेगी फलदार पौधे भी लगाए हैं ।

लोगों के बैठने के लिए लगाएंगे कुर्सियां

यहां पर बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था भी करेंगे अभी हमने कुछ जगह में पौधे लगाए हैं। आने वाले दिनों में शेष जगह में पौधे लगाए जाएंगे अभी 400 के करीब पौधे रोपित किए गए हैं। जिनकी देखभाल भी परिवार की तरह करेंगे दो कर्मचारियों की ड्यूटी यहां पर उनकी देखभाल के लिए लगाई गई है। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू, पार्षद संजू सोनी, सचिन शर्मा, टीकाराम शाक्य, मुकेश पंथी, ओम प्रकाश जाटव, प्रदीप व्यास, जयप्रकाश विश्वकर्मा, आदि मौजूद थे।

सीईओ बोलीं- भवन केवल शासकीय आयोजन के लिए है, बजरंग दल ने जताई आपत्ति

अंबेडकर भवन में वाल्मीकि समाज के आयोजन की नहीं मिली परमिशन

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

नवीन बस स्टैंड के पास में स्थित अंबेडकर भवन को जनपद सीईओ ने बाल्मिक समाज की छड़ी यात्रा के समापन के लिए देने से मना करते हुए कहा कि यह भवन केवल शासकीय कार्यक्रमों के लिए ही दिया जा सकता है । किसी भी पार्टी व अन्य आयोजन करने वालों को हम नहीं देते हैं। इस बात की जानकारी लगने पर बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद ने आपत्ती जाहिर की है।

बजरंग दल विश्व में परिषद नेता राकेश सक्सेना ने बताया कि यह भवन जिस वर्ग के नाम पर बनाया गया है आज उन्हें ही भवन देने से जनपद सीईओ ने मना कर दिया जबकि उन्हीं के नाम पर यह भवन संचारित हो रहा है। अंबेडकर भवन सामाजिक कार्यक्रमों के लिए ही बनाया गया है हम कोई एक व्यक्ति के लिए नहीं मांग रहे हैं। वाल्मीकि समाज के द्वारा छड़ी यात्रा का आयोजन 4 सितंबर को किया जा रहा है जिसमें बड़ी संख्या में नगर के अलावा बाहर से भी समाज के लोग भी यात्रा में आएंगे उनके लिए मांग की जा रही थी पर उनको देने से साफ मना कर दिया हमें इस बात का विरोध करते हैं जिस भवन को जिनके नाम पर बनाया गया इनको देने से ही मना कर दिया इसको हम किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेंगे । जनपद सीईओ के द्वारा अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए भेदभाव किया जा रहा है जिसको समझ में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा व हम इसका पुरजोर तरीके से विरोध करते हैं। साथ ही आरोप लगाते हुए भी कहा कि मुस्लिम समाज के कुछ लड़के यहां पर गाना बजाना आदि भी करते हैं जब उनको देते समय इस बात का ध्यान नहीं रखा गया कि यह केवल शासकीय आयोजन के लिए या फिर निजी आयोजनों को भी दिया जा रहा है। जब दलित समाज के लोग मांग रहे हैं , ऐसी बात की जा रही है। प्रशासन के अधिकारी खुलेआम भेदभाव कर रहे हैं इसकी हम घोर निंदा भी करते हैं ।वाल्मीकि समाज जनों के द्वारा सामाजिक कार्यक्रम के लिए इसकी मांग की जा रही है।

प्रशासन की दोहरी नीति का हम कर रहे विरोध

जिनके नाम पर अंबेडकर भवन बनाया गया है उनको देने से ही मना कर दिया जबकि विगत महा पहले ही मुस्लिम समाज के लड़कों को गाना बजाने के लिए भवन दे दिया गया था प्रशासन की दोहरी नीति का हम विरोध करते हैं।

- राकेश सक्सेना बजरंग दल विश्व हिंदू परिषद।

शासकीय आयोजनों के लिए दिया जाता है भवन

अंबेडकर भवन केवल हम शासकीय आयोजनों के लिए लिए देते हैं किसी भी अन्य आयोजन को हम नहीं देते हैं। इसलिए हमने इनको भी देने से मना कर दिया है।

- वंदना शर्मा, सीईओ, जनपद पंचायत, सिरोंज।

किसान चिंता न करें, सरकार हर संकट से निपट लेगी : शिवराज

सीहोर में खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों का शिलान्यास

सीहोर, दोपहर मेट्रो।

सीहोर के औद्योगिक क्षेत्र बडियाखेड़ी में आईटीसी कम्पनी की कुल 1500 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित होने वाली दो इकाइयों- इंटीग्रेटेड फूड मैन्यूफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स फैसिलिटी और सस्टेनेबल पैकेजिंग प्रोडक्ट्स मैन्यूफैक्चरिंग फैसिलिटी का मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शिलान्यास किया। ये दोनों इकाइयाँ 57 एकड़ में लगेंगी। इससे 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसान चिंता न करें,

सरकार हर संकट से निपट लेगी। खेती में मप्र ने देश के सभी राज्यों को पीछे छोड़ डेढ़ दशकों तक 18 प्रतिशत की कृषि विकास दर प्राप्त कर चमत्कार किया है। आईटीसी लिमिटेड के चेयरमैन संजीव पुरी ने सीहोर में आईटीसी की नई निवेश परियोजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में इछावर विधायक करण सिंह वर्मा, सीहोर विधायक सुदेश राय, आष्टा विधायक रघुनाथ मालवीय, जिला पंचायत अध्यक्ष गोपाल सिंह इंजीनियर, सीहोर जनपद अध्यक्ष नावड़ी बाई बारेला, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर उपस्थित थे।

घर-घर चिकित्सा सेवाएं दे रहा मैदानी अमला

विदिशा, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में एक अगस्त से शुरू की गई आयुष आपके द्वार योजना में आयुष विभाग का मैदानी अमला घर-घर पहुँच कर नागरिकों को चिकित्सा सेवा उपलब्ध करा रहा है। आयुष आपके द्वार योजना 30 सितम्बर तक निरंतर संचालित होगी। आयुष संचालनालय ने विभाग के जिलाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

यह योजना बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से जन-सामान्य के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए संचालित की जा रही है। भोपाल जिले में आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी चिकित्सा के 28 औषधालयों की टीम जिलेभर में भ्रमण कर रही है। गठित टीमें विशेष रूप से हाट-बाजार के दिन नागरिकों को साफ-सफाई और बीमारियों से बचाव के उपायों की जानकारी दे रही हैं। नागरिकों को आवश्यकता अनुसार दवाइयों का निःशुल्क वितरण भी किया जा रहा है। गठित टीमों ने जिले के स्कूल और कॉलेज में भी विद्यार्थियों को मलेरिया, डेंगू और डिहाइड्रेशन से बचाव की जानकारी दी। बच्चों को मच्छरदानी के उपयोग एवं स्वस्थ और पौष्टिक आहार लेने के बारे में भी बताया गया।

युवक ने घर में लगाई फांसी, कारण अज्ञात

मामा के पास कई वर्ष से रह रहा था

मामले की जांच करते पुलिस कर्मी।

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

थाने से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात्रि में ग्रीन सिटी में रहने वाले शुभम दांगी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

रात में जब काफी देर तक उसने गेट नहीं खोला तो उसकी मामा ने जब उसे गेट खोलने के लिए बोला। फिर जंगले में से देखा तो वहां फांसी पर लटका हुआ था। इसके बाद पूरे घटनाक्रम की सूचना पुलिस को दी गई पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाकर सब को नीचे उतर वहीं रविवार को पीएम के बाद लाश परिजनों को सौप दी।

मर्ग कायम करके मामले को विवेचना में लिया है। जानकारी के अनुसार शुभम दांगी अपने मामा के पास कई वर्षों से रह रहा है । उसका व्यवहार भी बहुत मधुर था तरह का कदम किसने कैसे उठाए इसकी चर्चा भी हो रही है।

मेट्रो एंकर | ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय मुखर्जी नगर द्वारा स्कूल में कार्यक्रम

दुआएं कमाना ही बनाएं जीवन का लक्ष्य : रुक्मिणी दीदी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मुखर्जी नगर द्वारा स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें रेखा दीदी ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम पढ़ाई करते हैं तो कहीं ना कहीं इस पढ़ाई का लक्ष्य यह लेकर चलते हैं कि हमारे जीवन में सुख, शांति, खुशी हो, दुनिया में कहावत है कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। लेकिन हम कहते हैं कुछ पाने के लिए बहुत कुछ करना पड़ता है तभी हम अपने लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। साथ-साथ तन, मन की पवित्रता हमारे लिए अति आवश्यक है तन पवित्र रखना है तो हमें भोजन की शुद्धता रखना जरूरी है साथ ही इन आंखों से बुरा ना देखना कानों से बुरा ना सुनना, हम बुरे कर्म करने से बचें पर कभी बुरे रास्ते पर ना चले, मन की पवित्रता जब हम मन की पवित्रता की बात करते हैं तो पहले जानने की आवश्यकता है कि आखिर यह मन क्या है मन हमारी आत्मा की एक संपूर्ण शक्ति है जिसका कार्य है विचार करना विचार का आधार होता हमारी भावनाएं, भावना का आधार हमारी वृद्धि और वृद्धि का आधार स्मृति और स्मृति का आधार हमारी दृष्टि कहां जाता है। हम जिस रंग का चश्मा पहनते हैं वैसा ही दिखता है कहने का भाव मन की पवित्रता का

आधार हमारे पवित्र विचार भावनाएं, वृत्ति, स्मृति और दृष्टि हमारा मन सुमन बनता ही तब है जब हम व्यर्थ, नकारात्मक और अशुभ विचारों से मुक्त हो। ब्रह्माकुमारी अनु दीदी ने कहा कि परचिंतन पतन की जड़ है हमें अपने जीवन में तीन पर काटने हैं परचिंतन, परदर्शन, परमत। हमें करना है स्वचिंतन, स्वदर्शन, और ईश्वरीय मत पर चलना चाहिए। जो ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र पर सिखाया जाता है तो इस आध्यात्मिक ज्ञान को हमें अपने जीवन में लाना चाहिए उसके लिए मेडिटेशन जरूर सीखें। अपने जीवन को तन मन से स्वस्थ बनाए। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने बच्चों को समझाते हुए कहा कि हमें तीन प्रकार की फैक्ट्री खोलनी है जो निशुल्क खोल सकते हैं एक फैक्ट्री आइस फैक्ट्री जो हमें अपने मन में खोलनी है मन को शांत रखना है, शीतल रखना है, ठंडा रखता है दूसरी शुगर फैक्ट्री जो हमें अपने मुख पर खोलनी है, सभी से हमें मीठा बोलना है। तीसरी फैक्ट्री लव फैक्ट्री, हमें अपने दिल में खोलनी है सभी से स्नेह रखना है किसी से वैर भेदभाव नहीं रखना है। हमें वह कर्म करने हैं जिससे हमें दुआएं मिले यही हमारे जीवन का लक्ष्य होना चाहिए।

जिम्बाब्वे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले हीथ स्ट्रीक का निधन

हरारे, एजेंसी

जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर हीथ स्ट्रीक का 49 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनकी पत्नी ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट लिखकर इसकी जानकारी दी। इससे पहले 23 अगस्त को सोशल मीडिया पर उनके निधन की खबर आई थी। जिम्बाब्वे क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में हीथ स्ट्रीक ने अहम भूमिका निभाई। एक ऑलराउंडर के रूप में हीथ ने 65 टेस्ट मैच और 189 एक दिवसीय मैच खेले है। स्ट्रीक ने 22.35 की औसत से 1990 रन बनाने के साथ-साथ टेस्ट क्रिकेट में 28.14 की औसत से 216 विकेट लेने के बाद 2005 में क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। स्ट्रीक ने 1997 से 2002 तक जिम्बाब्वे के लिए क्रिकेट खेला। एक दशक से अधिक के करियर में उन्होंने वनडे और टेस्ट में कुल 4,933 रन बनाए और 455 विकेट लिए। साल 2000 में हीथ स्ट्रीक टीम के कप्तान बने थे। बाद में उनका क्रिकेट बोर्ड से टकराव हो गया और 2004 में उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। इसके एक साल बाद उन्होंने 31 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

शानदार रहा करियर

1990 के दशक में जिम्बाब्वे क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में हीथ स्ट्रीक ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 1993 से 2005 के बीच जिम्बाब्वे के लिए 189 वनडे और 65 टेस्ट खेले। वह अपने देश के लिए दूसरे सबसे ज्यादा कैप्ड टेस्ट खिलाड़ी थे। स्ट्रीक ने 19 साल की उम्र में भारत में खेले गए हीरो कप के दौरान बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक रद्द किए गए मैच में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर शुरु किया। उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच पाकिस्तान के खिलाफ कराची में खेला था। रावलपिंडी में खेले गये अगले मैच में उन्होंने आठ विकेट लिए।

तीन विश्व कप में हुए शामिल

216 टेस्ट और 239 एकदिवसीय विकेट के साथ, वह जिम्बाब्वे के शीर्ष गेंदबाज थे और 100 से अधिक टेस्ट और 200 एकदिवसीय विकेट लेने वाले जिम्बाब्वे के एकमात्र गेंदबाज थे। वह वनडे में 2000 से अधिक रन बनाने वाले 16 जिम्बाब्वे बल्लेबाजों में से एक थे और 1990 रन के साथ सातवें सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। स्ट्रीक ने जिम्बाब्वे के लिए 1996, 1999 और 2003 विश्व कप खेला। वह 2000 में जिम्बाब्वे के कप्तान बने। 2021 में आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के उल्लंघन के पांच आरोपों को स्वीकार करने के बाद उन पर 8 सालों के लिए सभी प्रकार के क्रिकेट पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

एशिया कप में आज नेपाल से पहली बार भिड़ेगा इंडिया, बारिश के आसार

बारिश से मैच रद्द होने पर भी सुपर-फोर में पहुंच जाएगा भारत

कैंडी, एजेंसी

एशिया कप में भारत का दूसरा मुकाबला भी बारिश से धुल सकता है। श्रीलंका में कैंडी के पल्लेकेले स्टेडियम में भारत सोमवार को नेपाल से भिड़ेगा। दोपहर में मैच के समय बादल छाए रहेंगे। बारिश होने के 89 फीसदी आसार हैं। एक्यूवेदर के मुताबिक श्रीलंका के मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को कैंडी में सुबह 8 बजे से बारिश की आशंका है और देर रात तक बूंदाबांदी जारी रह सकती है। अगर सोमवार को भारत और नेपाल के बीच होने वाला मैच बारिश की वजह से रद्द हो जाता है, तब भी भारत सुपर फोर में पहुंच जाएगा।

कैंडी का पल्लेकेले स्टेडियम

नेपाल अपने ग्रुप में सबसे निचले पायदान पर पहुंचा

दरअसल नेपाल अपना पहला मुकाबला पाकिस्तान से हार चुका है। ऐसे में अभी नेपाल अपने ग्रुप में सबसे निचले पायदान पर है और उसके जीरो अंक हैं, जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच रद्द होने से दोनों टीमों को 1-1 अंक मिले। वहीं अभी पॉइंट टेबल में पाकिस्तान अपने ग्रुप में 3 पॉइंट के साथ टॉप पर है। जबकि भारत दूसरे नंबर पर है। ऐसे में नेपाल के साथ मैच रद्द होने पर उसके 2 पॉइंट हो जाएंगे और नेपाल का केवल 1 पॉइंट रहेगा। इस तरह ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहकर पाकिस्तान के साथ भारत भी सुपर-फोर में पहुंच जाएगा। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को खेला गया वनडे मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया। वनडे के इतिहास में ऐसा 44वीं बार हुआ, जब भारत का मैच रद्द हुआ है। इस मामले में टीम इंडिया पहले से ही वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए हुए है। भारत का हर 24वां वनडे रद्द हो जाता है। रद्द होने वाले मैचों के पीछे बारिश सबसे बड़ा फैक्टर है।

दोनों टीमों को मिला था एक-एक अंक

भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में ग्रुप-ए का मैच शनिवार को बारिश की वजह से रद्द हो गया। टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 266 रन बनाए, लेकिन ज्यादा बारिश होने के कारण पाकिस्तान की पारी शुरू ही नहीं हो सकी। इसलिए दोनों ही टीमों को एक-एक पॉइंट मिला। एशिया कप में शनिवार को भारत-पाकिस्तान मुकाबला बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को जीत के लिए 267 रन का टारगेट दिया था, लेकिन पाकिस्तान की पारी बारिश के कारण शुरू भी नहीं हो सकी। हालांकि कुछ मैच बिना बारिश के भी रद्द हुए हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में ग्रुप-ए का मैच शनिवार को बारिश की वजह से रद्द हो गया। टीम इंडिया ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 266 रन बनाए। लेकिन ज्यादा बारिश होने के कारण पाकिस्तान की पारी शुरू ही नहीं हो सकी। इसलिए दोनों ही टीमों को एक-एक पॉइंट मिला।

टीम इंडिया के विकेटकीपर केएल राहुल का बेंगलुरु में फिटनेस टेस्ट

आज तय होगा टीम में राहुल खेलेंगे या नहीं

मुंबई, एजेंसी

टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल का आज बेंगलुरु के राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में फिटनेस टेस्ट होगा। इस टेस्ट के बाद तय होगा की वो एशिया कप के बाकि मैच के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं। राहुल कमर में मामूली चोट के कारण एशिया कप के पहले दो मैचों से बाहर हो गए थे। भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने भी 28 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था, केएल राहुल अभी बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में ही रहेंगे। एशिया कप सुपर-4 स्टेज से पहले 4 सितंबर को टीम में वापसी से पहले उनका फिर से असेसमेंट किया जाएगा। राहुल एशिया कप के लिए घोषित 17 सदस्यीय टीम में शामिल हैं। राहुल विकेट कीपिंग करते हैं और किसी भी पोजिशन पर बैटिंग करने में सक्षम बल्लेबाज हैं। उन्होंने लंबे समय तक ओपनिंग की है, लेकिन सिलेक्टर्स अब उन्हें नंबर-5 पर खिलाना चाहते हैं और वह किसी भी पोजिशन पर खेलने की क्षमता रखते हैं। केएल राहुल लखनऊ के इकाना स्टेडियम में बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए मैच में फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए थे और वो पूरे लीग से बाहर हो गए थे।

मेट्रो बाजार

देश की टॉप-10 कंपनियों में से 7 की वैल्यू घट गई

मुंबई, एजेंसी

मार्केट-कैप के लिहाज से देश की टॉप-10 कंपनियों में से 7 को पिछले हफ्ते कुल 62,279.74 करोड़ का नुकसान हुआ। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड सबसे बड़ी लूजर रही, जिसका मार्केट कैप 38,495.79 करोड़ गिरकर 16,32,577.99 रह गया। हालांकि, टोटल मार्केट कैप के हिसाब से आरआईएल आज भी सबसे बड़ी कंपनी बनी हुई है। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और भारती एयरटेल मार्केट में सबसे ज्यादा नुकसान में रहने वाली कंपनियां रहीं। वहीं इंफोसिस और बजाज फाइनेंस बीते हफ्ते मार्केट में टॉप गेनर रहे। अगस्त के दूसरे सप्ताह में एचडीएफसी बैंक नुकसान में रहने वाली सबसे बड़ी कंपनी रही, जिसके मार्केट कैप में 25,011 करोड़ की गिरावट देखने को मिली थी। पिछले सप्ताह बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 500 अंकों की बढ़त देखी गई। हाल ही में मुकेश अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की 46वीं एनुअल जनरल मिटिंग में कई बड़े ऐलान किए थे। इसमें सबसे बड़ी घोषणा बिना वायर के फास्ट ब्रॉडबैंड की सुविधा देने के लिए जियो एयर फाइबर के लॉन्च की थी। वहीं रिलायंस के बोर्ड में आकाश अंबानी, अनंत अंबानी और ईशा अंबानी को नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नियुक्त किया गया। इसके अलावा यह भी बताया गया कि, मुकेश अंबानी, अगले 5 साल तक आरआईएल चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर बने रहेंगे। मुकेश अंबानी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि रिलायंस अगले दशक में सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए जो वैल्यू क्रिएट करेगी वह पिछले 45 वर्षों में जनरेट हुई वैल्यू से कई गुना ज्यादा होगी।

टाटा नेक्सॉन फेसलिफ्ट अनवील, एडवांस्ड फीचर

नईदिल्ली। टाटा मोटर्स ने अपनी सबसे पॉपुलर कार नेक्सॉन का फेसलिफ्ट अनवील कर दिया है। कंपनी ने सब-4 मीटर एसयूवी के एक्सटीरियर और इंटीरियर डिजाइन को अपडेट किया है। इसके साथ ही कार में नए कलर एडवांस्ड कंफर्ट और सेफ्टी फीचर एड किए गए है। नई नेक्सॉन की 4 सितंबर से बुकिंग शुरू होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो कार इसी फेस्टिव सीजन में लॉन्च की जा सकती है। भारत में कार का मुकाबला मारुति सुजुकी ब्रेजा, हुंडई वेन्यू, महिंद्रा और किया सोनेट से होगा। डिजाइन की बात करें तो नई नेक्सॉन के फ्रंट और रियर लुक को पूरी तरह से चेंज किया गया है। ये अब पहले से ज्यादा स्पोर्टी नजर आ रही है। इसके फ्रंट में नए स्प्लिट हेडलैंप सेटअप मिलता है। एक दम नए डिजाइन और ज्यादा स्पोर्टी दिखने वाले बम्पर पर नीचे स्क्वाष्ठ हेडलैंप लगाए गए हैं। साइड में फंकी दिखने वाले 16 इंच के डायमंड कट डुअल-टोन अलॉय व्हील के अलावा कुछ चेंज नहीं किया गया है। रियर में नेक्सॉन को फुल कनेक्टेड स्क्वाष्ठ टेल लाइट मिलती है, जिसे कंपनी फैक्टर टेल लैं कह रही है। इसमें वेलकम और गुडबाय फंक्शन भी मिलता है।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से ग्रीन पार्क में चल रही है प्रतियोगिता

टी-20 लीग: गोरखपुर और लखनऊ जीते

कानपुर, एजेंसी

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से ग्रीन पार्क में चल रही टी-20 लीग में दो मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मुकाबला मेरठ मेवरिक्स और गोरखपुर लायंस के बीच हुआ, जिसमें गोरखपुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। मेरठ के स्वास्तिक चिकारा ने लगातार दूसरे मैच में शतक मारकर टीम को मजबूत स्कोर की तरफ ले गए, लेकिन उनका यह शतक भी टीम को नहीं जीता पाया। गोरखपुर ने दो मैच में हार का सामना करने के बाद रविवार को आठ विकेट से जीत दर्ज की। वहीं दूसरे मुकाबले में आराध्य यादव की नाबाद 50 रनों की पारी की बदौलत लखनऊ की टीम ने दो विकेट से कानपुर सुपर स्टार को हरा दिया। खेल के पांचवें ओवर में मेरठ को पहला बड़ा झटका मिला। शोएब सिद्दीकी (31) को अभिषेक गोस्वामी ने रन आउट कर दिया। उस समय टीम का स्कोर 38 रनों पर था। 7वें ओवर में वासु वत्स की गेंद पर मेरठ के कप्तान माधव कौशिक ने शिवम शर्मा को कैच देकर बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गए।

जसप्रीत बुमराह नेपाल के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एशिया कप में नेपाल के खिलाफ ग्रुप-ए का आखिरी मैच नहीं खेलेंगे। बुमराह पारिवारिक कारणों से श्रीलंका से मुंबई के लिए रवाना हो गए हैं। हालांकि वह पूरी तरह फिट हैं और सुपर-4 स्टेज के मैचों के लिए श्रीलंका लौट आएंगे। टीम इंडिया अगर सोमवार को नेपाल को हराने में कामयाब हो जाती है तो टीम सुपर-4 स्टेज के लिए क्वालिफाई कर जाएगी। सुपर-4 में टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को कैंडी के मैदान पर पाकिस्तान से होगा। टीम इंडिया नेपाल के खिलाफ बुमराह की गैरमौजूदगी में मोहम्मद शमी को मौका दे सकती है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

ट्विंकल ने कहा- मुझे मेरी मां ने अकेले पाला है, मेरे घर में कोई पुरुष नहीं था

डिम्पल कपाड़िया चाहती थीं कि उनकी बेटी ट्विंकल खन्ना, अक्षय कुमार से शादी से पहले लिव इन में रहें। डिंपल चाहती थीं कि दोनों एक दूसरे को पहले समझ लें। अक्षय कुमार, डिंपल के पास उनकी बेटी का हाथ मांगने गए थे। डिंपल ने कहा कि पहले तुम दोनों दो साल एक दूसरे के साथ रहो। अगर लगता है कि सब सही है, फिर शादी भी कर लेना। ट्विंकल ने कहा कि उनकी मां शादीशुदा जिंदगी की चुनौतियों को समझती थीं, इसलिए उन्होंने ऐसा सुझाव दिया था। ट्विंकल खन्ना ने कहा- मुझे मेरी मां ने अकेले पाला है। मेरे घर में कोई पुरुष नहीं था। मुझे काफी समय तक तो पता ही नहीं था कि घर में पुरुष भी रहते हैं। मां ने मुझे शादीशुदा जिंदगी की चुनौतियों के बारे में बताया। जब मेरे पति मेरा रिश्ता मांगने उनके पास गए तो उन्होंने हम दोनों को साथ रहने का ऑप्शन दे दिया। दो साल साथ में रह कर देख लो, फिर शादी करना।

डिंपल को अक्षय पर शक था

कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा जाता है कि डिंपल कपाड़िया किसी और वजह से अक्षय और ट्विंकल को लिव इन में देखना चाहती थीं। दरअसल डिंपल के किसी जर्नलिस्ट दोस्त ने अक्षय के बारे में फेक न्यूज बता दी थी। उसने कहा कि अक्षय गे हैं। डिंपल ने इसी शंका को मिटाने के लिए दोनों को शादी से पहले साथ रहने का सुझाव दिया था। यह खुलासा खुद ट्विंकल खन्ना ने कॉफी विद करण में किया था। डिंपल की शर्त पर अक्षय-ट्विंकल साथ रहे और एक साल बाद शादी कर ली। दोनों ने जनवरी, 2001 में शादी की थी। ट्विंकल ने बेटे आरव को 2002 में जन्म दिया वहीं बेटी निताारा का जन्म 2012 में हुआ था। ट्विंकल, राजेश खन्ना और डिंपल कपाड़िया की बड़ी बेटी हैं। राजेश खन्ना और डिंपल की शादी 27 मार्च 1973 को हुई थी। उस समय राजेश खन्ना 31 साल और डिंपल 16 साल की थीं।

गदर-2 की सक्सेस पार्टी सनी ने लगाया शाहरुख को गले

मुंबई में गदर-2 की सक्सेस पार्टी रखी गई। काफी वक्त बाद तीनों खान एक ही पार्टी में नजर आए। पार्टी में शाहरुख, सलमान और आमिर खान ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कभी एक दूसरे से बात नहीं करने वाले शाहरुख और सनी ने एक दूसरे को गले भी लगाया। दोनों गले मिलते हुए पार्टी से बाहर निकले। यह पूरी पार्टी का हाइलाइटेड पॉइंट था। इसके अलावा संजय दत्त, अनिल कपूर और काजोल के साथ अजय देवगन भी पार्टी में शरीक हुए। अनन्या पांडे, शिल्पा शेट्टी और कार्तिक आर्यन भी पार्टी में मौजूद दिखे। अपने बेटे की फिल्म के सक्सेस पार्टी को एन्जॉय करने पिता धर्मेंद्र भी पहुंचे। तारा सिंह ही सकीना यानी अमीषा पटेल भी खास अंदाज में पार्टी में पहुंचीं। सिद्धार्थ मल्होत्रा- कियारा आडवाणी भी एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट देते नजर आए। ऐसा बहुत कम देखा जाता है, कि किसी फिल्म की सक्सेस पार्टी में शामिल होने इंडस्ट्री के लगभग तमाम बड़े सितारे पहुंचे हों।

विवेक ओबेरॉय अपना 47वां बर्थडे मना रहे हैं। विवेक फिल्म इंडस्ट्री में एक एक्टर के तौर पर लगभग 20 साल बिता चुके हैं। वो अब तक अपने एक्टिंग करियर में करीब 25 हिंदी फिल्मों में काम कर चुके हैं लेकिन इंडस्ट्री में मजबूत जगह बनाने में नाकाम रहे। विवेक ने पिता से पैसे लेने के बजाय खुद पैसे कमाने का मन बना लिया था। उनकी इस जिद की बदौलत ही आज वो सक्सेसफुल बिजनेस कर रहे हैं। 2022 में मोटिवेशनल स्पीकर और एड टेक प्लेटफॉर्म बड़ा बिजनेस के डॉक्टर विवेक बिंद्रा के शो पर विवेक ओबेरॉय ने खुद बताया था कि उन्होंने बिजनेस करना कैसे और कब शुरू किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि उन्होंने 18 साल की उम्र में स्टॉक मार्केट में इंवेस्ट किया था लेकिन उन्हें भारी नुकसान झेलना पड़ा और उनके 32 लाख रुपए डूब गए। करीब 20 साल के अपने करियर में विवेक ने गिनती की ही हिट फिल्में दी हैं। जैसे- 2004 में आई मस्ती और 2013 में आई इसी फिल्म

विवेक को 18 साल की उम्र में हुआ था 32 लाख का नुकसान

विवेक ने राजस्थान के अजमेर से मेयो कॉलेज बोर्डिंग स्कूल से पढ़ाई की है। एक बार स्कूल वापस जाने से पहले विवेक ने अपने पिता से कुछ पैसे मांगे। उनके पिता ने उन्हें सिर्फ 500 रुपए दिए वो भी ये कहकर कि इससे ज्यादा चाहिए तो खुद कमा लो।

विवेक ने फिल्म 'कंपनी' से डेब्यू किया था

विवेक ओबेरॉय ने साल 2002 में 26 साल की उम्र में राम गोपाल वर्मा की फिल्म कंपनी से डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने गैंगस्टर चंदू का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके किरदार को काफी पसंद भी किया और उन्हें बेस्ट डेब्यू मेल और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। एक्टिंग डेब्यू करने के पहले से ही विवेक बिजनेस करते आ रहे हैं। उनके पिता और एक्टर सुरेश ओबेरॉय उन्हें डायरेक्टर अब्बास मस्तान के प्रोजेक्ट से लॉन्च करना चाहते थे। विवेक ने बताया था कि उनके पिता इस डेब्यू प्रोजेक्ट पर अपनी जिंदगी भर की कमाई लगाने के मूड में थे। लेकिन, विवेक खिलाफ थे। विवेक ने कहा था कि उनके पिता ने हमेशा काबिलियत को सिफारिश से ज्यादा महत्व दिया और विवेक भी ऐसा ही करना चाहते थे।

छोटी खबरें

छोला मंदिर पुलिस ने तस्कर से जब्त की 28 हजार की अवैध शराब

भोपाल। छोला मंदिर पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर उसके पास से 28 हजार रुपए अवैध शराब जब्त की है। आरोपी के खिलाफ मारपीट, अड़ीबाजी, एनडीपीएस और आबकारी एक्ट के तीन दर्जन से ज्यादा अपराध पहले से दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक रविवार को मुखबिर से सूचना मिली कि पुराना बदमाश कमल कुचबंदिया (45) अपने घर सीमेंट गोदाम के पास चांदबाड़ी से अवैध शराब लेकर कहीं जाने वाला है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी कर कमल को हिरासत में लिया। घर की तलाशी लेने पर उसके पास 63 लीटर अवैध शराब मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। जब्त हुई शराब की कीमत 28 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बिजली का करंट लगने से युवक की मौत

भोपाल। रातीबड़ इलाके में बिजली का करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस के मुताबिक फिरोज खान (28) ग्राम सेमरी थाना रातीबड़ का रहने वाला था। शनिवार सुबह वह ग्राम रसूलिया गोसाई स्थित डेयरी फार्म पर ट्रैक्टर में भूसा लादने पहुंचा था। भूसा लादते समय उसे ऊपर से निकल रही बिजली की लाइन से करंट गया। उसे इलाज के लिए गीतांजलि काम्पलेक्स स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद फिरोज को मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के कारणों का पता लगा रही है।

रिटायर्ड अफसर के सूने घर से सामान चोरी

भोपाल। कोहेफिजा में रहने वाले एक रिटायर्ड अफसर के सूने मकान से चोर घड़ी और फरफ्यूम समेत करीब 95 हजार रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक हाउसिंग बोर्ड कालोनी कोहेफिजा निवासी 73 वर्षीय जावेद शासकीय सेवा के रिटायर्ड अफसर हैं। पिछले दिनों वह दवाई खरीदने के लिए इंदौर चले गए थे। इस दौरान कालोनी के चौकीदार ने घर का ताला टूटा होने की सूचना दी। जावेद घर लौटे तो पता चला कि बदमाश उनके मकान से मोबाइल फोन, कीमती फरफ्यूम, कीमती घड़ी, पारकर के पेन और टार्च समेत करीब 95 हजार रुपए का सामान चोरी कर ले गए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायल हुए युवक की इलाज के दौरान मौत

भोपाल। रातीबड़ थानांतर्गत केरवा रोड पर एक्सीडेंट में घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मो. यासिर खान (29) कप्रान शादी हाल के पास गिन्नौरी थाना तलैया का रहने वाला था। बीती 31 अगस्त की सुबह करीब साढ़े आठ बजे केरवा रोड पर एक्सीडेंट होने से उसे इलाज के लिए मालीपुरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, शनिवार सुबह करीब ग्यारह बजे उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने पीएम कराने के बाद लाश परिजन को सौंप दी है।

बागसेवनिया स्थित पुरानी बस्ती का मामला

प्रेमी और उसके चचेरे भाई के साथ मिलकर उतारा पति को मौत के घाट

अपने दुपट्टे से प्रेमी के साथ मिलकर गला घोंटा फिर पत्नी ने प्रेमी को किचन से लाकर दिया चाकू, गले पर मिला था चाकू का गहरा घाव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बागसेवनिया स्थित पुरानी बस्ती राम मंदिर के पास किराए से रहने वाले एक युवक की गत 25-26 जुलाई की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने उसकी प्रेमिका और प्रेमी समेत प्रेमी के चचेरे भाई पर हत्या समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पत्नी ने अपने प्रेमी और प्रेमी के चचेरे के साथ पति की हत्या कर दी थी। दरअसल, पत्नी की प्रेम कहानी की भनक पति को लग गई थी। हत्या के दिन पत्नी प्रेमी के साथ देर रात घर पहुंची थी। वहां पत्नी को प्रेमी के साथ देखकर पति ने गालियां दी तो पत्नी और प्रेमी ने मिलकर उसकी हत्या कर दी थी।

यह है मामला: एसआई भोजराज सिंह ने बताया कि मानिक सिंह पिता राधाकृष्ण सिंह (35) मूलत: गांव सूजासर, थाना देशनाक, तहसील/जिला बीकानेर राजस्थान का रहने वाला था। अभी कुछ दिन पहले ही पत्नी के साथ भोपाल आया था और राम मंदिर के पास पुरानी बस्ती में रह रहा था। यहां उसके कुछ रिश्तेदार रहते हैं और वह होटल में काम करते हैं। मानिक ने यहां कमरा किराए पर लिया और पत्नी के साथ रह रहा था। 22 जुलाई को माणक की पत्नी आरती चौहान पुनासा खंडवा गई?है। दरअसल, उसका पुनासा में मायका है और मां की तबीयत खराब होने के कारण वह मायके में है। माणक सिंह के भतीजे नरपत सिंह ने बताया कि चाचा मानिक सिंह दो दिन से औरा मॉल काम पर जा रहे थे। मंगलवार 25 जुलाई को तबीयत ठीक नहीं होने के कारण वह घर पर अकेले थे। रात करीब साढ़े 12 बजे के आसपास नरपत सिंह ने चाचा माणक सिंह को कॉल किया था। उसकी मोबाइल पर बातचीत हुई चाचा मानिक सिंह ने कहा था कि बुखार लग रहा है। तबीयत ठीक नहीं है। कुछ देर बाद फोन कट गया। करीब दस मिनट बाद नरपत सिंह ने कॉल किया तो माणक सिंह ने दबी हुई आवाज में बात की थी। फिर कॉल डिस्कनेक्ट हो गया। इसके बाद से माणक का मोबाइल बंद हो गया था।

पड़ोस में रहने वाली साली को भेजा घर

दबी हुई आवाज में बात होने और मोबाइल बंद होने के बाद नरपत सिंह को अनहोनी की आशंका हुई, क्योंकि चाचा ने कहा था कि तबीयत भी बिगड़ी हुई है। लिहाजा नरपत सिंह ने पास ही रहने वाली माणक सिंह की साली पूजा को चाचा मानिक सिंह के घर जाकर देखने का कहा था। पूजा मानिक सिंह के घर पहुंची तो उसने मानिक सिंह को लोहे की पलंग पर औंधे मुंह पड़ा देखकर नरपत को कॉल किया। नरपत मौके पर पहुंचा था। इससे पहले ही पुलिस को सूचना दे दी गई थी। सूचना भी मौके पर पहुंच गई थी। **गले पर चाकू का गहरा घांव:** मानिक सिंह के गले पर गमछा बंधा हुआ है, वहीं गले पर चाकू के गहरा घांव लगने से नसे बाहर आ गई थी। सब्जी काटने वाला चाकू उसके पैरों के पास पड़ा हुआ था। पुलिस को मामला संदिग्ध लग रहा था। नरपत सिंह ने पुलिस को बताया कि उसके चाचा माणक सिंह की शादी अभी 12 जून 2023 को हुई थी। वह चाची आरती के साथ काम की तलाश में भोपाल आए थे और उन्हें काम भी मिल गया था। नरपत सिंह ने हत्या की आशंका जताई थी, लेकिन उसने किसी पर आरोप नहीं लगाए थे।

सीसीटीवी में नजर आई पत्नी साथ में प्रेमी

पुलिस को मामला संदिग्ध लग रहा था। पुलिस ने घटनास्थल पर पूछताछ की और सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे। इस दौरान सीसीटीवी कैमरे में मृतक की पत्नी आरती चौहान, उसका प्रेमी राज वर्मा और राजा का चचेरा भाई रंजीत वर्मा नजर आए थे। एक फुटेज में तीनों भागते हुए नजर आए थे, जबकि दूसरे फुटेज में 3 घर की तरफ जाते हुए नजर आए थे। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने हत्या करने की बात स्वीकार ली।

अवैध संबंध की भनक लगने पर की वारदात

आरती चौहान के गांव में रहने वाले राजा वर्मा से अनैतिक संबंध थे। शादी के बाद भी आरती चौहान की हरकतें नहीं सुधरी थी। वह मोबाइल पर राजा वर्मा से बातचीत करती थी। पुलिस ने हत्या की आशंका होने पर पत्नी के मोबाइल की सीडीआर निकाली तो पता चला कि प्रतिदिन छह से आठ घंटे तक आरती और राजा वर्मा में बातचीत होती?थी। पुलिस की पूछताछ में आरती ने बताया कि राजा और रंजीत को लेकर देर रात वह अपने घर पहुंची थी। रंजीत को सीढ़ियों पर खड़ा करने के बाद कहा था कि आने जाने वालों पर नजर रखना। इसके बाद आरती और राजा अंदर पहुंचे। वे दोनों मानिक से बातचीत कर समस्या का हल निकालना चाहते थे। इससे पहले ही मानिक ने पत्नी के साथ राजा को देखकर गालीगलौज शुरू कर दी। इस बात से गुस्साई आरती ने अपने दुपट्टे से राजा के साथ मिलकर मानिक का गला घोंट दिया और किचन से चाकू लाकर राजा को दिया था। राजा ने गला घोंटने के बाद मानिक के गले पर चाकू भी मारा था।

आबकारी विभाग का दावा– 1.46 करोड़ रुपए की शराब पर चलाया बुलडोजर

पेटी खोलकर दिखाई बोतलों में भरी है शराब, उस पर चला दिया बुलडोजर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शराब की बोतलों पर बुलडोजर चलाने से पहले आबकारी के अधिकारियों को रविवार सफाई देनी पड़ी। इन्हें कैमरे के सामने पेटी खोलकर दिखाना पड़ा कि शराब की बोतलें खाली नहीं है, बल्कि भरी हैं। इसके बाद इन्होंने बोतलों पर बुलडोजर चलवाया। बकायदा इसकी वीडियोग्राफी कराई। अधिकारियों ने दावा किया कि 1.46 करोड़ की शराब पर बुलडोजर चलाया गया। ये स्टाक एक्सपायरी डेट पार कर चुकी थी।

शराब की गंध फैली तो देखने पहुंचे लोग: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अनुसार बीयर और शराब की बोतलों पर एक्सपायरी डेट थी। जैसे ही बुलडोजर चलना शुरू हुआ तो आसपास के क्षेत्र में गंध आने लगी। कार्यवाही गांधीनगर स्थित सरकारी शराब वेयरहाउस के बाहर हुई। इस दौरान शराब पर रोड रोलर चलता देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए थे।

अधिकारियों ने यह भी किया दावा: 2020 से लेकर 31 दिसंबर 2022 तक की अवधि में 1811 अवैध शराब के अलग-अलग मामले पकड़े गए। इसमें विदेशी शराब की 305 पेटियां, बीयर की 97 पेटियां, देसी मदिरा की 1278 पेटी, हाईरेंज की 85 पेटी और अवैध भट्टी शराब 85331 लीटर थी। 24 अगस्त को कई गई नीलामी से महकमें को लगभग 41 लाख 50 हजार की रुपए की आय हुई थी।

8 माह की गर्भवती की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

पति बोला - रात में तबीयत बिगड़ी थी पत्नी ने पेट में दर्द होने की बात कही थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित कल्ला शाह का अहाता, बरखेड़ी में रहने वाली महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पति उसे लेबर पेन होने के कारण अस्पताल लेकर पहुंचा था। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत की सही वजह सामने आ सकेगी। पुलिस आज पीएम के बाद मृतिका के मायके पक्ष और ससुराल पक्ष के बयान दर्ज करेगी। पुलिस के अनुसार चंदा रावत पति राम सेवक रावत (20) गांव परैवा, जिला गुना की रहने वाली थी। दो साल पहले ही

उसकी साथी विदिशा निवासी राम सेवक रावत से हुई थी। रामसेवक पत्नी चंदा रावत के साथ कल्ला शाह का अहाता, बरखेड़ी में रह रहा था। वह प्राइवेट काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि रविवार रात चंदा की तबीयत बिगड़ी थी उसने पेट में दर्द होने की बात कही। राम सेवक चंदा को लेकर काटजू अस्पताल पहुंचा। वहां से सुल्तानिया जनाना अस्पताल गया था। सुल्तानिया अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि चंदा की मौत हो चुकी है। मामला नव विवाहिता से जड़ा होने के कारण मर्ग डायरी एसीपी जहांगीराबाद को सौंपी गई है।

अवैध हथियार छुरी के साथ बदमाश गिरफ्तार

भोपाल। हनुमानगंज पुलिस ने एक शातिर बदमाश को अवैध हथियार छुरी के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी से पूछताछ में जेबकटी की कई वारदातों का खुलासा हुआ है। पुलिस के मुताबिक मुखबिर से सूचना मिली कि एक जेबकट लाल बस में सवार होकर अल्पना टाकीज की तरफ से नादरा बस स्टैंड की आने वाला है। सूचना के बाद पुलिस ने बस स्टैंड पर पहुंचकर संबंधित लाल बस में चैकिंग की तो एक संदेही युवक दिखाई दिया। पूछताछ पर उसने अपना नाम सोनू झूलेलाल कुशवाह निवासी श्यामला हिल्स थाने के पीछे भोपाल बताया। तलाशी लेने पर उसके पास लोहे की छुरी बरामद हुई। थाने लाकर पूछताछ करने पर आरोपी ने बीते छह महीने के भीतर लाल बसों में दो सवारियों की जेब से पर्स चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी के पास चोरी के पर्स बरामद किए गए हैं। पुलिस ने सोनू के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

बिना इजाजत धरना प्रदर्शन करने वाले 60 से अधिक चयनित अभ्यर्थी पर मामला दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जहांगीराबाद पुलिस ने नीलम पार्कपर रविवार शाम धरना प्रदर्शन कर पटवारी भर्ती परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को खदेड़ दिया था। पुलिस को अभ्यर्थियों के विरोध के कारण सख्ती दिखानी पड़ी थी। अब पुलिस ने बिना इजाजत धरना प्रदर्शन करने वाले 60 से अधिक चयनित पटवारी भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थी पर मामला दर्ज किया है। उक्त मामला बलवा और शासकीय आदेश के उल्लंघन की धाराओं में दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार रविवार शाम धरना प्रदर्शन कर पटवारी भर्ती परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी नीलम पार्क में इकट्ठा हुए थे और धरना प्रदर्शन कर रहे थे। वे पटवारी लिखी टोपी पहनकर आए थे। धरना प्रदर्शन बिना अनुमति के शुरू किया गया था। लिहाजा पुलिस ने इसे असंवैधानिक बताते हुए अभ्यर्थियों को वहां से खदेड़ दिया। चयनित अभ्यर्थियों का कहना है कि चुनाव होने वाले हैं, ऐसे में नियुक्ति अटक जाएगी। अब तक इस मामले की जांच भी पूरी नहीं हुई है। कम से कम जिनका चयन हुआ है उन्हें नियुक्ति दी जाए और जो किसी भी तरह की गड़बड़ी में शामिल हैं उन पर कार्रवाई हो। सैकड़ों उम्मीदवारों को किस बात की सजा दी जा रही है।

तीन बाइक और एक स्कूटर ले उड़े बदमाश

भोपाल। अलग-अलग स्थानों से बदमाश तीन मोटर सायकिलें और एक स्कूटर चोरी कर ले गए। पुलिस के मुताबिक ऐशबाग थानांतर्गत गोविंद गार्डन से रमेश विश्वकर्मा की बाइक चोरी हो गई। इसी प्रकार कोहेफिजा थानांतर्गत मनुआभान की टेकरी से चोर अंकित अहिरवार और रुहन अमीन की मोटर सायकिलें चोरी कर ले गए। यह दोनों मोटर सायकिलें एक साथ शनिवार दोपहर करीब दो बजे चोरी हुई। इधर आशिमा माल के सामने से रजनी यादव की स्कूटर चोरी चली गई। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

तहसीलदार–नायब तहसीलदार को मुख्यमंत्री ने दिया भरोसा

आज से नहीं जाएंगे हड़ताल पर

भोपाल , दोपहर मेट्रो।

प्रदेश भर के तहसीलदार व नायब तहसीलदार सोमवार से काम बंद करने की चेतावनी दे चुके थे लेकिन अब ये हड़ताल पर नहीं जाएंगे। रविवार शाम को इसकी घोषणा की है।

असल में इन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की थी। यह मुलाकात रविवार देर रात हुई, जिसमें उन्हें भरोसा दिया गया कि उनकी मांगों को सुना जाएगा। इस संबंध में घोषणा भी की जाएगी। जिसके बाद इन्होंने हड़ताल टालने की घोषणा की है। असल में मुख्यमंत्री ने इन्हें आश्वासन देने के साथ ही 11 सितंबर को तहसीलदार–नायब तहसीलदारों का सम्मेलन बुलाने का भरोसा भी दिया है। इसी सम्मेलन में इनकी मांगों को पूरा करने संबंधी घोषणा की जानी है।

तहसीलदार संघ का दावा

मप्र राजस्व अधिकारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष गुलाब सिंह बघेल ने भी दावा किया कि सोमवार से ह?ताल पर जाने वाले थे। लेकिन रविवार रात मुख्यमंत्री से आधे घंटे की मुलाकात हुई थी। हमने उन्हें अपनी लंबित मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा और इसके निराकरण की मांग भी की थी।

पटवारियों में बढ़ी नाराजगी

इधर पटवारियां में नाराजगी बढ़ गई है। ये आए दिन अलग–अलग विरोध प्रदर्शन दर्ज करा रहे हैं। इन्होंने सोमवार को गुफा मंदिर पहुंचकर सद्बुद्धि देने के लिए भगवान भोलेनाथ को ज्ञापन सौंपा है।

मेट्रो एंकर | **न्यायालय ने आरोपी पर 7 हजार का जुर्माना लगाया**

बलात्कार के आरोपी को हुई 20 साल की जेल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नाबालिक बच्ची से दुष्कृत्य करने वाले एक आरोपी को 19वें अपर सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायालय पॉक्सो) रश्मि मिश्रा की अदालत ने 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही आरोपी पर न्यायालय ने 7 हजार रूपए का जुर्माना भी लगाया है। मामले में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक दीप्ति पटेल एवं वर्षा कटारे द्वारा की गई है। पीड़िता की मां ने 22 जुलाई 2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह एक फैक्टरी में कारपेंटर एवं गार्ड की नौकरी करती है और वहीं रहती है। इसी फैक्टरी में तीन-चार साल से आरोपी भी काम करता है। वह उसकी उसकी 16 साल की बच्ची से बात करता था।

21 जुलाई 2021 को पीड़िता ने पेट दर्द की शिकायत की और डरते-डरते उसने बताया कि आरोपी कोंचिग जाते समय उसका पीछा करता था और उसे बहला-फुसलाकर घुमाने के लिए लेकर जाता था। जब वह उसके साथ नही जाती थी तब वह बोलता था कि उसके घर वालों को बता देगा कि वह कोंचिग नही जाती है इसी डर के कारण वह आरोपी के साथ घुमने चली जाती थी। 1 जून 2021 को लगभग 11 बजे आरोपी पीड़िता को बहला-फुसलाकर घुमाने ले गया और उसके साथ गलत काम किया।

अशोका गार्डन से लापता नाबालिग रायपुर से बरामद

भोपाल। अशोका गार्डन इलाके से लापता हुए एक नाबालिग लड़के को पुलिस ने रायपुर छत्तीसगढ़ से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाला 17 वर्षीय लड़का घर से बगैर बताए लापता हो गया था। उसके साथी ने थाने पहुंचकर लड़के गायब होने की सूचना दी, जिस पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया। जांच के दौरान पता चला कि बालक रायपुर छत्तीसगढ़ जा सकता है। इस पर पुलिस ने रायपुर के गंज थाना प्रभारी से संपर्क कर बालक की जानकारी दी, जिसके बाद गंज पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया।

एमपीपीएससी

5 सितंबर से होंगे मेंस एग्जाम के लिए आवेदन

भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2022 के जारी कार्यक्रम के अनुसार, मेंस एग्जाम के लिए आवेदन 05 सितंबर से होंगे। जबकि रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तारीख 25 सितंबर 2023 तय की गई है। इसके प्रवेश पत्र 20 अक्टूबर को जारी होंगे। इसकी परीक्षा 30 अक्टूबर से 4 नवंबर तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, छिंदवा?ा, रतलाम, सतना, सागर, शहडोल और ब?वानी शहरों के परीक्षा केंद्रों पर होगी। पीएससी ने परीक्षा का शेड्यूल भी जारी कर दिया है । यह परीक्षा प्रश्नोत्तर पुस्तिका के माध्यम से आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थी को पुस्तिका में प्रश्न के नीचे उत्तर लिखने के लिए दिए गए स्थान पर ही निर्धारित शब्द सीमा में अपना उत्तर लिखना होगा। अगर कहीं और उत्तर लिखा गया तो यह अमान्य कर दिया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022